@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 131 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 मंगलवार, 11 मार्च 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

अपराध के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति पर काम रहे: सीएम

पिछले 10 वर्षों में मेवात क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई: सीएम

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में अपराध के लिए जीरो टोलरेंस की नीति पर काम रही है। अपराधों से निपटने के लिए विशेष इकाइयों का गठन किया है तथा पुलिस बल का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह जानकारी आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं में वर्ष 2024 में 19.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्ष 2023 में जहाँ 11,814 मामले दर्ज किये गए, वहीं वर्ष 2024 में कुल 9,488 मामले दर्ज किए गए। महिलाओं को प्रभावित करने वाले अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने बताया कि बलात्कार के मामलों में 23.3 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अलावा, सामूहिक बलात्कार की घटनाओं में 19.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले वर्ष 141 मामलों के मुकाबले वर्ष 2024 में 113 मामले दर्ज किए गए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि वर्ष 2024 में हत्या के मामलों की संख्या घटकर 966 रह गई, जो 2023 में 1,061 मामले थे इसी तरह, एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामलों में 30.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, जो वर्ष 2023 में हुए 1,514 मामलों की तुलना में वर्ष 2024 में 1,049 मामले हुए। मुख्यमंत्री ने अपराध दर में इस समग्र कमी का श्रेय पुलिस कर्मियों की बढ़ी हुई उपस्थिति के साथ-साथ सतर्क निगरानी और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गये अथक प्रयासों को दिया। वर्ष 2019 से दिसंबर 2024 के बीच, हरियाणा में कुल 119,011 एफआईआर दर्ज की गईं।

पिछले 10 वर्षों में मेवात क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई: सीएम

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मेवात क्षेत्र में स्वास्थ्य, जलापूर्ति, सड़कों के सुदृढ़ीकरण और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है । उन्होंने कहा कि मेवात में विकास को और गति देने के लिए शीघ्र ही मेवात डेवलपमेंट बोर्ड की बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज विधानसभा बजट सत्र में प्रश्न काल के दौरान पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे । उन्होंने कहा की वर्ष 2014 से पूर्व मेवात का विकास और वर्ष 2014 के बाद पिछले दस वर्षों में हुए विकास में अंतर साफ दिखाई देता है। जिला में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, आधारभूत अवसंरचना, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास पर विशेष रूप से काम किया गया है।

पराली न जलाने के लिए 373 किसानों को प्रोत्साहन राशि दी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि नारनौंद विधानसभा क्षेत्र के किसानों को सरकार द्वारा धान की पराली/अवशिष्ट न जलाने के लिए वर्ष 2022-23 के लिए पात्र कुल 373 किसानों को प्रोत्साहन राशि दे दी गई है।

कृषि मंत्री सदन में एक सदस्य द्वारा उठाये गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि नारनौंद विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2022-23 के दौरान इस क्षेत्र के कुल 561 किसानों ने विभागीय पोर्टल पर फसल अवशेष प्रबंधन के लिए ?1000 प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने हेतु पंजीकरण कराया था, जिनमें से कुल 373 किसानों के आवेदन को स्वीकृत किया गया और सभी स्वीकृत मामलों में किसानों के खातों में सब्सिडी प्रदान कर दी गई है।

नारनौल में राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक का निर्माण किया जाएगा

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक का निर्माण किया जाएगा जिस पर 10.81 करोड़ रुपए खर्च होंगे। कृषि मंत्री आज सदन में एक सदस्य द्वारा उठाये गए सवाल का जवाब दे रहे थे। श्याम सिंह राणा ने बताया कि राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक के निर्माण के लिए आवश्यक 3 एक-ड़ भूमि उपलब्ध है।

जघन्य अपराध में शामिल 542 मोस्ट वांटेड को गिरफ्तार किया: सीएम सैनी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सगठित अपराध से निपटने के लिए गठित हरियाणा की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वर्ष 2020 से 2024 के बीच न केवल अपहरण, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, जबरन वसूली, लूट और डकैती जैसे अपराध करने वाले गिरोहों पर लगाम लगाई है, बल्कि जघन्य अपराध में शामिल 542 मोस्ट वांटेड अपराधियों, 256 गैंगस्टर/गैंग सदस्यों और 1199 अन्य अपराधियों सहित कुल 1997 आरोपियों को गिरफ्तार करके बेहतरीन प्रदर्शन भी किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज हरियाणा विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दौरान उठाए गए एक प्रश्न के उत्तर में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि एसटीएफ द्वारा राज्य भर में संगठित अपराध में शामिल विभिन्न गिरोहों और अपराधियों पर लगातार बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जा रही है।

एसटीएफ ने 2020 में 325 अपराधियों को, 2021 में 227 को, 2022 में 388 को, 2023 में 421 को और 2024 में 636 अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके अंजाम तक पहुंचाया है । मोस्ट वांटेड अपराधियों और गैंगस्टरों को पकड़ने के साथ साथ, एसटीएफ ने काबू किए अपराधियों के कब्जे से 217 पिस्तौल, 7 रिवॉल्वर, 272 देसी पिस्तौल, 47 मैगजीन और 2,000 से अधिक कारतूस सहित बड़ी मात्रा में अवैध हथियार भी बरामद किए हैं।

सोनीपत में कमर्शियल फैसिलिटी के अनुसार बस अड्डा बनेगा: विज

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि सोनीपत में भूमि चिन्हित होने पर कमर्शियल फैसिलिटी के अनुसार जल्द ही बस अड्डा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोनीपत के सेक्टर 7 में जिस भूमि का निर्धारण किया गया था, वह भूमि 8.86 एकड़ है जिसमें से 4.6 एकड़ भूमि ग्रीन बेल्ट की है तथा शेष भूमि के बीच में से सेक्टर की सड़क निकलती है तथा उसी भूमि के ऊपर से हाई टेंशन तारे भी

निकलती हैं। उन्होंने बताया कि चार एकड़ भूमि के अंदर जिला का बस अड्डा नहीं बनाया जाता जबकि जिला का बस अड्डा बनाने के लिए कम से कम 10 एकड़ भूमि होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सोनीपत के विधायक अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करके बिना किसी विवाद और बिना किसी ग्रीन बेल्ट की भूमि को चिन्हित करके बस अड्डा बनाने में अपना सहयोग दे सकते हैं और सरकार द्वारा जल्द ही एक वाणिज्यिक सुविधा अनुसार बस अड्डा सोनीपत में बनाया जाएगा। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि भागल सब-डिवीजन 15,000 से 20,000 तक उपभोक्ताओं के अपेक्षित मानदंड को पूरा करने के बाद चालू हो जाएगा। विज ने यह जानकारी हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान लगाए गए एक प्रश्न के उत्तर में दी। भागल सब-डिवीजन का निर्माण कार्यालय आदेश दिनांक 15.02.2021 के तहत किया गया था। नया सब-डिवीजन ग्रामीण/शहरी सब-डिवीजन में सामान्य रूप से 15,000 से 20,000 तक उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करेगा।

दादूपुर नलवी नहर के निर्माण के संबंध में कोई भी आदेश पारित नहीं किया

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा दादूपुर नलवी नहर के निर्माण के संबंध में कोई भी आदेश पारित नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान दादूपुर नलवी नहर के निर्माण के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही संवेदनशील विषय है और इस पर विपक्ष द्वारा राजनीति भी लगातार हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के सदस्यों के समय ही इस नहर के संबंध में एक्ट भी पारित किया गया था।

प्रदूषण बोर्ड की कुल 81 स्टोन क्रैशर चल रहे: राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के पर्यावरण, वन तथा वन्य प्राणी मंत्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि महेन्द्रगढ़ के नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र में हरियाणा राज्य प्रदूषण बोर्ड की कुल 81 स्टोन क्रैशर चल रहे हैं। राव नरबीर सिंह हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान विधायक मंजू चौधरी द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन को इस बात से भी अवगत करवाया कि नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र में सभी स्टोन क्रैशर निर्धारित पर्यावरण मानकों की पालना कर रहे हैं। 15 स्टोन क्रैशर 2 वर्ष पहले पर्यावरण मानकों की पालना न करने के दोषी पाए गए थे। इनमें से 3 स्टोन क्रैशर

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा बंद कर दिए गए थे। इसके अतिरिक्त, बाकि 12 स्टोन क्रैशरों को जुमार्ना जमा करवाने तथा अपेक्षित वायु प्रदूषण नियंत्रण यंत्र लगाने की पालना करने के बाद क्रैशर शुरू करने की अनुमति दी गई थी। इन 13 स्टोन क्रैशरों के खिलाफ 1 करोड़ 30 लाख 12 हजार 500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इनमें से 10 स्टोन क्रैशरों ने 1 करोड़ 26 लाख 18 हजार 750 रुपये का जुमार्ना जमा करवा दिया है। शेष बचे 3 स्टोन क्रैशरों के मामले में जुमार्ना वसूलने की प्रक्रिया जारी है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू नहीं करके छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही।

प्रदेश की कानून व्यवस्था की हालत बेहद दयनीय है: अदित्य देवीलाल

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

विधानसभा में इनेलो पार्टी के विधायक दल के नेता अदित्य देवीलाल ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान हरियाणा में 2019 से 2024 तक महिलाओं और अनुसूचित जाति के लोगों के विरूद्ध घटित अपराध जिसमें हत्या, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, अपहरण, डकैती और लूटपाट के दर्ज किए मामलों की संख्या और व्यापारियों तथा आम जनता की सुरक्षा के लिए बनाई गई कोई योजना पर प्रश्न पूछते हुए कहा कि यह सारा मामला गृहमंत्री से संबंधित है और जवाब में बताया गया कि क्राइम को रोकने के लिए एक टास्क फोर्स गठित की हुई है। लेकिन अगर टास्क फोर्स ही क्राइम करने लग जाए तो फिर उसको कौन रोकेगा? प्रदेश की कानून व्यवस्था की हालत बेहद दयनीय है। चूंकि कानून व्यवस्था बनाए रखने का काम सरकार का है और आज जो हालात हरियाणा की कानून व्यवस्था के हैं तो क्या सरकार उसमें कोई संजीदगी रखती है और कोई जवाबदेही तय की गई है? शून्यकाल के दौरान बोलते हुए अदित्य देवीलाल ने कहा कि आज सबसे ज्यादा अगर कोई भयभीत है तो वो किसान है। सरकार की गलत नीतियों के कारण गलत सिंचाई व्यवस्था को लेकर सबसे ज्यादा मार किसानों को पड़ रही है। भाजपा सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना फेल साबित हो चुकी है। लगातार तीसरी बार की बीजेपी सरकार एक योजना ऐसी बता दे कि किसानों को ज्यादा पानी मुहैया करवाने का काम किया हो। कोई नए स्त्रोत पानी के उत्पन्न किए हों। भूजल संकट पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले भविष्य में जमीनी पानी बहुत नीचे चला जाएगा। इसलिए जितनी भी योजनाएं बरसाती पानी और नहरी सिंचाई से संबंधित हैं उनको बढ़ाना चाहिए।

यूनिवर्सिटी की नियुक्तियों के उपर श्वेत पत्र जारी करे: अर्जुन चौटाला

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

शून्यकाल में रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला ने हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर द्वारा 5000 रूपए में खरीदे गए स्वामीनाथन अवार्ड की गलत सूचना देने और महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के अंदर एमबीबीएस के पेपर लीक का मुद्दा पूरे जोरशोर से उठाया।

उन्होंने कहा कि एचएयू के वाइस चांसलर ने बेहद प्रतिष्ठित स्वामीनाथन अवार्ड को उन्हें मिलने का गलत तरीके से भ्रामक प्रचार किया। जबकि सच्चाई यह है कि यह एक फर्जी अवार्ड है जिसे वाइस चांसलर ने एक अनाधिकृत संस्था एग्रीमीट फाउंडेशन से 5000 रूपए में खरीदा और इसका भ्रामक प्रचार किया। असली स्वामीनाथन अवार्ड जो कि कृषि विज्ञान उन्नति ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा दिया जाता है जो आजतक सिर्फ 13 लोगों को दिया गया है। लेकिन उन 13 लोगों में एचएयू के वाइस चांसलर का नाम नहीं है। विडंबना यह है कि इसकी तारीफ मुख्यमंत्री तक ने की और इस भ्रामक प्रचार को बीजेपी सरकार ने भी आगे बढ़ाया।

सूचना विभाग की वेबसाइट पर डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि जो इंसान अपनी सही योग्यता लोगों को नहीं बता सकता तो वो आदमी किसी भी उच्च पद के लायक नहीं है। ये जो खुद की तारीफ करने के लक्षण हैं वो एक आत्ममुग्ध इंसान के लक्षण होते हैं।

ऐसे व्यक्ति को वाइस चांसलर के लिए 4 साल के लिए और विस्तार देना ये सरकार और यूनिवर्सिटी के लिए ही नहीं बल्कि लाखों बच्चों के लिए भी गलत संदेश देने का काम करता है। एचएयू के वीसी पर कार्रवाई करते हुए सरकार को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए।

ऐसी और भी कई युनिवर्सिटीज हैं जहां अयोग्य व्यक्तियों को वाइस चांसलर लगाया गया है जिन्होंने झूठे दस्तावेज प्रस्तुत किए हुए हैं।

हुड्डा ने दादूपुर नलवी नहर मामले में विशेषाधिकार हनन लाने पर विचार करने का ऐलान किया

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन कांग्रेस सदस्यों ने रोहतक की वक्फ की जमीन पर माफिया के कब्जे और दादूपुर नलवी नहर का मुद्दा उठाया। इस मामले में कांग्रेस सदस्य संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा के जवाब से असंतुष्ट रहे। बाद में मीडिया से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रोहतक से कांग्रेस विधायक भारत भूषण बत्रा ने कहा कि दोनों मामलों में सरकार ने सही जवाब नहीं दिया। सरकार विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने पर विचार करेगी। हुड्डा और बत्रा ने मीडिया से कहा कि दोनों ही मामलों में सरकार की ओर से दिए गए जवाब में न्यायालय में की गई कार्यवाही पर पल्ला झाड़ लिया गया और कहा कि हमें मालूम ही नहीं।बत्रा ने रोहतक स्थित वक्फ की जमीन पर बने जोहड़ को लेकर कहा गया कि वहां जोहड़ नहीं हैं।बत्रा ने जमीन पर बने जोहड़ की फोटो दिखाते हुए कहा कि मंत्री ने सदन में झूठ बोला।मंत्री अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर बोलते है। बत्रा ने कहा के दोनों ही मामलों में विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने पर विचार किया जाएगा। हुड्डा ने कहा कि दादूपुर नलवी नहर कुरुक्षेत्र,अंबाला और यमुनानगर

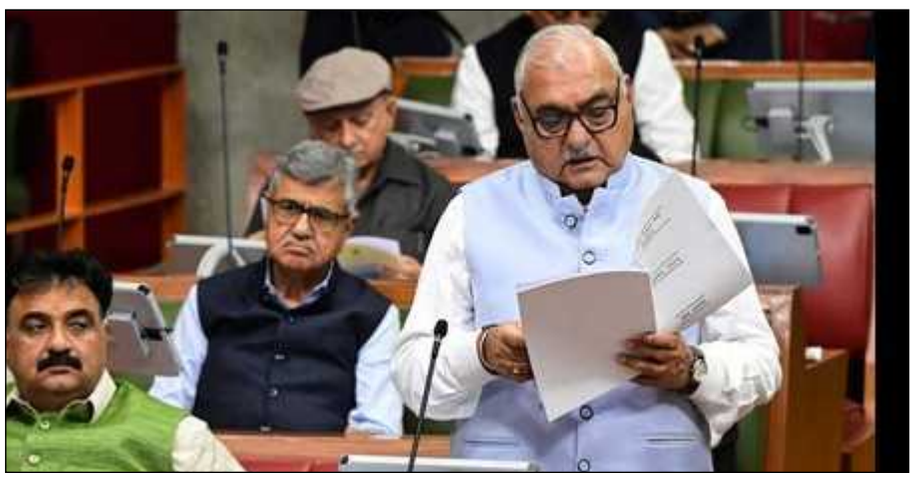

आदि जिलों में भूजल पुनर्भरण के लिए बनाई गई थी।लेकिन सरकार की ओर से इस मामले में सही जवाब नहीं दिया गया।दूसरे दिन की कार्यवाही में शून्यकाल में सदस्यों को बोलने के लिए दिए जाने वाले अधिकतम तीन मिनट पर स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि विधायकों की पहले भी कई बार मांग रही है कि विधायकों को मिलने वाले तीन मिनट के समय को बढ़ाया जाए इसको देखते हुए अब ये समय पांच मिनट करने के लिए वे प्रस्ताव पेश कर रहे है। बाद में यह प्रस्ताव पारित कर दिया गया। रानियां से इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने चौधरी चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में यहां के वाइस चांसलर को एमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड मिला है, लेकिन ये अवॉर्ड पूरी तरह से फर्जी है। यह पांच हजार रुपए में मिल जाता है। फर्जी अवॉर्ड लेकर बच्चों को गुमराह करने का काम किया जा रहा है।

नारनौंद से विधायक जस्सी पेटवाड़ ने कहा कि गांवों में आमतौर पर 400 से 500 रुपए बिजली बिल आता है, लेकिन आज 20 प्रतिशत बिल ऐसे आ रहे हैं जो लाखों रुपए तक पहुंच गए हैं। कई गरीब परिवारों का बिल लाखों रुपए में आया है। इस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने जवाब देते हुए कहा कि मैं विधायक से ऐसे मामलों की जानकारी लेकर कार्रवाई करूंगा। साथ ही यह भी आश्वासन देता हूं कि इस मामले में जो भी अधिकारी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करूंगा। इससे पहले प्रश्नकाल में नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद और मंत्री विपुल गोयल में मेवात विकास बोर्ड को लेकर बहस हो गई। अहमद ने कहा कि जिस उद्देश्य के लिए इसका गठन किया गया, अभी तक उस पर कोई काम नहीं हो रहा है। जो बजट आवंटित किया गया, वह पहले से कम है।

2024-25 में बोर्ड के द्वारा विकास कार्यों पर मात्र 6 करोड़ 11 लाख रुपए खर्च किए गए। मंत्री विपुल गोयल ने विधायक के आंकड़ों पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि सरकार 14 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर चुकी है।

महामहिम राष्ट्रपति मुर्मू पहुंचीं हिसार

बोलीं-युवा नौकरी की मानसिकता बदलें, जॉब सीकर नहीं प्रोवाइडर बनें। गुजवि के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिगी व मेडल दिए

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 10 मार्च। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को हिसार के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पहुंचीं। उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल वितरित किए। इस मौके पर आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार को मानद उपाधि दी गई।

इस आयोजन के बाद प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शिरकत की। गुजवि के दीक्षांत समारोह आयोजन में महामहिम राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि डिग्री पाने वाली बेटियों की संख्या 60 फीसदी से अधिक देख अपार खुशी हुई है। मेडल प्राप्त करने वालों में भी बेटियों की संख्या 75 फीसदी है। मैं बेटियों व उनके परिवार की सराहना करती हूं। यह देश के विकास में बढ़ती महिलाओं का प्रमाण है। आप रोजगार पाने की मानसिकता को बदलें, रोजगार उत्पन्न करने की मानसिकता के साथ आगे बढ़ें। जॉब सीकर नहीं जॉब प्रोवाइडर बनें। इस यूनिवर्सिटी में ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले स्टूडेंट्स की संख्या बहुत अधिक है। मैं अपील करूंगी कि गांव के लोगों को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। इस नीति के अनुरूप ग्रहण की गई शिक्षा विद्यार्थियों में मौलिक सोच व रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देगी। रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाएगी।

विकास के लिए टेक्नोलॉजी गांव-गांव पहुंचे

राष्ट्रपति ने कहा कि गुरु जंभेश्वर महाराज एक महान संत व दार्शनिक थे। वैज्ञानिक सोच, नैतिक जीवन शैली के समर्थक थे। उनका मानना था कि प्रकृति की रक्षा करना सभी जीवों के प्रति करुणा का भाव रखना, उनका संरक्षण करना मानव का नैतिक दायित्व है। गुरु जंभेश्वर की शिक्षाएं बहुत ही प्रासंगिक हैं। मुझे प्रसन्नता हुई कि 30 वर्ष की यात्रा में यहां के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने कई महत्वपूर्ण शोध उपलब्धियां हासिल की हैं। यह सराहनीय है कि इन्कयूबेशन, स्टार्टअप के प्रोजेक्ट्स के लिए स्पेशल डिपार्टमेंट बनाया गया है। मुझे विश्वास है कि यह प्रयास विद्यार्थियों में इनोवेशन की भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगे। बदलती ग्लोबल डिमांड के अनुसार युवा पीढ़ी को तैयार करना उच्च शिक्षण संस्थानों के समक्ष चुनौती है। देश के विकास के लिए यह भी आवश्यक है कि टेक्नोलॉजी गांव-गांव तक पहुंचे।

डिजिटल डिग्री देने वाला पहला विश्वविद्यालय : वाइस चांसलर

गुजवि के वाइस चांसलर नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि स्टूडेंट्स को ई-मेल पर डिजिटल डिग्री पहुंच जाएंगी। डिजिटल डिग्री देने वाला त्रछ प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है। दुनिया के किसी भी कोने में सरकारी व गैर सरकारी संस्थान द्वारा इस डिजिटल डिग्री की वेरिफिकेशन की जा सकेगी। आज पीएचडी की 561 डिग्रियों के अलावा 2090 डिग्री दी गईं। 564 विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी मेडल दिए। पढ़ने वाले 60 फीसदी विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं। 60 प्रतिशत पीएचडी शोधार्थी लड़कियां है। यूनिवर्सिटी मेडल पाने वाली भी 70 फीसदी लड़कियां हैं।

नौकरी ढूंढने वाले नहीं, देने वाले बनो : राज्यपाल

गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि डिग्री मिलने के अगले दिन से दिनचर्या बदल जाती है। बेटियां बहुत आगे बढ़ रही हैं। पीएचडी में 561 में से 351 लड़कियां व 210 लडके हैं। अब ये अगले दिन से नौकरी ढूंढेंगे। मगर, नौकरी सबको नहीं मिलेगी। नौकरी उन लोगों को मिलेगी, जिनके पास उत्तम टेक्नोलॉजी है। टेक्नोलॉजी में आप जितना आगे बढ़ोगे, उतना ही तरक्की करेंगे। आप नौकरी ढूंढने वाले नहीं, नौकरी देने वाले होने चाहिए।

खरखौदा शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें सभी व्यापारिक संगठन :सुभाष चंद्र

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
खरखौदा(सोनीपत), 10 मार्च। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाईस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कहा कि आईएमटी खरखौदा में मारूति-सुजुकी व मिंडा जैसी विश्वविख्यात कंपनियों के आने से खरखौदा को विश्व में अलग पहचान मिली है यह क्षेत्र आने वाले दिनों में औद्योगिक हब बनेगा। उन्होंने कहा कि खरखौदा को औद्योगिक पहचान देने के साथ-साथ स्वच्छता में भी पहचान दिलाने के लिए सभी व्यापारिक संगठनों का सहयोग जरूरी है इसलिए सभी कंपनियों का दायित्व बनता है कि हम खरखौदा को स्वच्छ व साफ-सूथरा बनाने में प्रशासन के साथ मिलकर अपना सहयोग करें। ताकि स्वच्छता के क्षेत्रू में खरखौदा दूसरे शहरों के लिए उदाहरण बन सके।

स्वच्छता सर्वेक्षण में खरखौदा को अव्वल बनाने के उद्देश्य से सोमवार को स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाईस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने आईएमटी खरखौदा का दौरा करते हुए मिंडा कंपनी के अधिकारियों व विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए उन्हें शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंनें कहा कि मारूति-सुजुकी व मिंडा जैसे कंपनियां देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने व भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अपना सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी बदौलत ही भारत आने वाले कुछ समय में दुनिया की 03 अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने मिंडा कंपनी के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे शहर में स्वच्छता को लेकर सहयोग करें ताकि हम अपने शहर को साफ-सूथरा बना सके।

किंडरगार्टन के नन्ने मुन्नो के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का किया आयोजन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र/ शाहाबाद, 10 मार्च। डिवाइन पब्लिक स्कूल में किंडरगार्टन के नन्ने मुन्नो के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। जूनियर से सीनियर कक्षा में प्रवेश करने पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ स्कूल के प्रेजिडेंट डॉ गुरदीप सिंह हेयर ने किया। सभी बच्चे अलग-2 रंगो में गाउन व स्कार्फ पहन कर बहुत सुन्दर लग रहे थे। स्कूल को बहुत ही सुन्दर ढंग से सजाया गया। स्कूल की प्रधानाचार्या राजिन्द्र खुब्बड, उपप्रधानाचार्य मनीष मलिक और स्कूल हैड मनमीत सिन्धु ने बच्चों को पुरस्कृत करके उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रिंसिपल ने बताया कि स्कूल में हर सप्ताह अलग-अलग रूप से गायन, नृत्य व खेल प्रतियोगिताएं होती है, जो बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर अभिभावक भी मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

श्री महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल ने मनाया 13 वॉ वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सिवानीमंडी, 10 मार्च। स्थानीय श्री महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में 13 वॉ वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम की थीम रंगोत्सव रहा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप हरियाणा के पूर्व मंत्री व विधायक घनश्याम सर्राफ ने शिरकत की वही हरियाणा के विशिष्ठ अतिथि के रूप में व जिला परिषद मुकेश डालमिया व बीईओ डॉ सुरेन्द्र सिंह शामिल हुए। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुइ जिसमें बच्चों द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। उसके बाद बच्चों ने काली मां का एक्ट किया। मुख्यातिथि ने घनश्याम सर्राफ ने स्कूल से भिन्न-भिन्न पदों पर चयनित छात्रों को, खेल में गोल्ड मेडल लाने वालों को व स्कूल में अतिरिक्त गतिविधियों में अव्वल आने वाले बच्चों को स्टेज पर पुरूस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान 100 से ज्यादा बच्चों के द्वारा मॉडल बनाकर प्रदर्शिनी लगाई गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में 800 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा भारत की सांस्कृतिक लोक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिनको देखकर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के चेयरमैन गोविंदराम बंसल ने अतिथिगण को समृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में हिसार मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महावीर जांगड़ा, राजेश केडिया ,बाबूलाल जिंदल, सुभाष शर्मा, भाविप के पूर्व अध्यक्ष डॉ रामनिवास बंसल व सावर बंसल व स्टॉफ आदि उपस्थित रहे।

श्री महावीर जैन पब्लिक स्कूल के छात्र पारस धीमान ने जीता इंस्पायर अवार्ड

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 मार्च। श्री महावीर जैन पब्लिक स्कूल के छात्र पारस धीमान ने इंस्पायर अवार्ड जीत कर स्कूल का नाम रोशन किया है। डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित करियर इनोवेशन प्रोग्राम के तहत कक्षा 6 से 10वीं के विद्यार्थियों के लिए यह जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें विद्यालय के कक्षा दसवीं के छात्र पारस धीमान ने 10 हजार रुपये राशि का इनाम जिला स्तर पर जीता है। यह प्रतियोगिता विद्यालय की केमिस्ट्री टीचर शुचि रहेजा की दिशा- निर्देशन में संपन्न हुई थी, विद्यालय की प्राचार्या मंजुला गोयल ने छात्र पारस धीमान को बहुत बधाई दी है तथा विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय के अन्य बच्चों को पारस से प्रेरणा लेनी चाहिए तथा अपने करियर के प्रति सचेत रहना चाहिए।

होली का पर्व भाईचारे का पर्व है मिलजुल कर मनाए -निर्मल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 10 मार्च। डीएसपी पिहोवा निर्मल सिंह ने कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे का पर्व है। इसे शांति पूर्ण ढ? से मिलजुल कर मनाए। वे यहां अनाजमंडी में मंडी पूर्व सचिव बलदेव शर्मा के प्रतिष्ठान पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि होली के पर्व पर कुछ शरारती तत्व नशा कर हुडदंग बाजी कर माहौल खराब करने का प्रयास करते है। होली के पर्व पर ऐसे शरारती तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। इसके लिए शहर व क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। कुछ शरारती तत्व बुलेट द्वारा पटाखे बजा कर माहौल को खराब करने का काम करते है ऐसे शरारती तत्वों पर नकेल कसने के लिए पुलिस को सख्त निर्देश दे दिए गए है। उन्होंने बताया कि जो भी व्यक्ति बुलेट से पटाखे बजाता पाया गया उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जो बाइक रिपेयर मिस्त्री बुलेट के साइलेंसर बदलता पाया गया उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। चुनावों की मतगणना को लेकर उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन शहर में पुलिस सुरक्षा अधिक बढ़ा दी जाएगी। किसी को भी माहौल खराब करने नहीं दिया जाएगा।

हकृवि में इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

कुलपति बोले, शोध व नवाचार सें हकृवि व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 10 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकृवि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे। यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में सिजमन रजुकोव्स्की, जूलिया रिड्ज, इंगा सुचोडोलस्का, अन्ना बर्नाओविच, व पैट्रीक्जा पुस्जको तथा टेक्नीकल स्टाफ में मार्ता लास्ज्जका, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की तथा इरीना टोवचको शामिल रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा क्वात्रा भी उपस्थित रही।

कार्टून कला समाज का आईना : मनोज छाबड़ा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
हिसार, 10 मार्च। सुरभि आर्ट गैलरी एवं इंस्टीटयूट में दो दिवसीय कार्टून एवं रेजीन आर्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में हिसार के प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट एवं साहित्यकार डॉ मनोज छाबड़ा ने शिरकत की। उन्होंने हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से आए हुए 45 प्रतिभागियों को प्रसिद्ध नेताओं के कैरीकेचर, कार्टून बनाना सिखाया एवं सरल विधियो द्वारा अनेक प्रकार के अन्य हास्यास्पद कार्टून बनाने सिखाए और बताया कि कार्टून कला समाज का वह आईना है जो समय-समय पर सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने के साथ-साथ जन मानस को जागरूक करता है। कार्यशाला के दूसरे दिन प्रसिद्ध रेजीन आर्टिस्ट कुमारी तनु अग्रवाल एवं डॉ गीता जांगड़ा ने प्रतिभागियों को रेजीन के माध्यम से अनेकों प्रकार की आकर्षक वस्तुएं बनाना सिखाया। फोटो फ्रेम दीवार घड़ी गायत्री मंत्र, गणेश मंत्र, वरमाला संयोजन, समुद्र लहरों के दृश्य आदि निर्मित करने सिखाए। संस्थान की संचालिका कुमारी सुरभि ने बताया कि इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने अत्यंत आकर्षक कलाकृतियां निर्मित करना सीखा है जिनके माध्यम से वह अपने घर एवं आसपास के वातावरण को सुंदर बनाने के साथ-साथ, विद्यार्थी इस कला को जीवन में अपनाकर रोजगार भी पा सकते हैं। समापन समारोह के अवसर पर प्रसिद्ध चित्रकार डॉक्टर राजेश जांगड़ा ने सभी प्रतिभागी कलाकारों को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मेहनतकश महिलाओं को जुझारू महिला उद्यमी सम्मान से किया अलंकृत

रेहड़ी लगाकर फास्ट फूड, सब्जी या अन्य सामग्री बेचने वाली मेहनतकश महिलाओं को दिया जुझारू महिला उद्यमी सम्मान

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 10 मार्च। विभिन्न संस्थाएं प्रसिद्ध, सफल व सशक्त महिलाओं को सम्मानित करके महिला दिवस मनाती हैं। इससे अलग हटकर इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अनूठी पहल की है। इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट ने ठेला लगाने वाली, लिक्विड बनाने वाली, घर में भोजन बनाकर होम डिलीवरी करने वाली, फास्ट फूड, सब्जी या अन्य सामग्री बेचकर अपने परिवार की आजीविका चलाने वाली 101 महिलाओं को सम्मानित करके उनके हौसले को सलाम किया है। इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष रजत गुप्ता ने बताया समृद्ध व सशक्त के साथ तो हर कोई जुड ?ा चाहता है लेकिन मजदूरी करके या हर रोज पैसे कमाकर घर संभालने वाली महिलाओं की कोई सुध नहीं लेता। इस तथ्य को समझते हुए ट्रस्ट ने ऐसी महिलाओं की सूची बनाई जो आजीविका के लिए संघर्ष करती हैं। इस अवसर पर बहुत सी मेहनतकश महिलाओं ने अपनी व्यथा-कथा और विषम परिस्थितियों में आगे बढ? के अनुभव को विस्तार से साझा किया। इन अनुभवों से इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के विद्यार्थियों को हर परिस्थिति का डटकर सामना करने की प्रेरणा मिली। इस दौरान ट्रस्ट से जुड़े विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके समां बांध दिया।

मतगणना केंद्रों पर होगी व्यापक पुलिस बल की तैनाती :डीसी

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया
करनाल, 10 मार्च। उपायुक्त उत्तम सिंह के अनुसार दो मार्च को हुए नगर निकाय चुनावों की मतगणना 12 मार्च को की जायेगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये मतदान केंद्रों पर व्यापक पुलिस बल की तैनाती की जायेगी। मतगणना केंद्रों के नजदीक चार से अधिक लोगों को एक स्थान पर एकत्र होने पर रोक रहेगी।

उपायुक्त के अनुसार मतगणना के दिन जिला में कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिला प्रशासन कृतसंकल्प है। स्ट्रांग रूम से मतगणना केंद्र तक ईवीएम लाने व गणना के बाद वापस पहुंचाने के वक्त पुलिस पार्टी तैनात रहेगी। इतना ही नहीं हर मतगणना केंद्र पर व्यापक पुलिस बल की तैनाती की जायेगी।

समृद्ध भारत परिषद ने किया होली मिलन एवं परिवार मिलन कार्यक्रम

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
हिसार, 10 मार्च। समृद्ध भारत परिषद द्वारा सूर्या सेलिब्रेशन में होली मिलन एवं परिवार मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के प्रधान विकास लाहौरिया ने बताया कि होली मिलन कार्यक्रम करने से आपस में भाईचारा बढ़ता है तथा खुशी का संचार होता है।

संस्था के सचिव डॉक्टर अजीत कुमार व कोषाध्यक्ष डॉ. राहुल बंसल ने बताया कि होली मिलन कार्यक्रम में 20 विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए गोद लिया गया। इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रकल्प प्रमुख डॉ. राकेश शर्मा, राजेश गुप्ता, तिलक मेहता, दीपक अग्रवाल, संजीव शर्मा, तरुण मेहता, विजय अग्रवाल तथा अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा से ही मानव का विकास संभव : कंवलजीत कौर

फर्स्टक्राई इंटेलीटोटस प्री-स्कूल ने मनाया वार्षिक उत्सव

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 10 मार्च। जिला परिषद चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने कहा कि शिक्षा से ही मानव का विकास संभव है, इसलिए हमें अपने बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ साथ नैतिक शिक्षा भी देनी होगी, ताकि उनका चहुंमुखी विकास संभव हो सके। वे आज ज्योति नगर में फर्स्टक्राई इंटेलीटोटस प्री-स्कूल के वार्षिक उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने नन्हे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित भी किया। समारोह की अध्यक्षता नगर परिषद थानेसर की पूर्व चेयरपर्सन उमा सुधा ने करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने और कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों के अनुशासन की भी प्रशंसा की। इससे पहले स्कूल की संचालक स्वीटी कौशिक और सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया के जिला कोआर्डिनेटर पवन मित्तल ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नन्हे विद्यार्थियों ने बहुत ही भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। इस दौरान प्री-स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। सभी बच्चों के माता-पिता व अभिभावक प्रसन्न दिखाई दिए और उन्होंने प्री स्कूल को फाइव स्टार की रेटिंग दी। अतिथियों ने भी स्टाफ व प्रबंधन सदस्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की।स्कूल की संचालक स्वीटी कौशिक ने कहा कि कुरुक्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इसके समक्ष कोई प्री-स्कूल नहीं है। इस अवसर पर प्रियंका शर्मा, पूनम शर्मा, डॉ नेहा सोबती चाइल्ड साइकैटरिस्ट, सोनू शर्मा, नरेश शर्मा व बच्चों के माता-पिता व अभिभावक मौजूद रहे।

सिवानी में अखिल भारतीय किसान सभा ने किया धरना प्रदर्शन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सिवानीमंडी, 10 मार्च। अखिल भारतीय किसान सभा ने तहसील में किसानों की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। धरने की अध्यक्षता किसान सभा के प्रधान रामकिशन भाकर ने की व संचालन तहसील सचिव अंतर कस्वां ने किया। धरने पर किसानों की मुख्य मांग 2023 में सिवानी तहसील में जिन किसानों ने कपास का बीमा करवाया था और एग्रीकल्चर महकमे ने करोप कटींग मे खराबा दिखाया जिसके अनुसार सिवानी तहसील में 100 करोड़ रुपए बीमा बना था परन्तु कम्पनी ने पैसे देने की बजाए अधिकारियों से मिलकर उपग्रह का बहाना लेकर सभी गांव का बीमा नील कर दिया और कुछ गांव को दिया वह भी बहुत कम दिया यह लूट बहुत बड़ी लूट है । धरने के दौरान किसान नेता दयानन्द पूनिया ने कहा कि अकेले लोहारू हल्के में 200 करोड़ की सरकार, कम्पनी व अधिकारियों ने मिलकर गडबड़ी की है जिसकी रिपोर्ट किसान सभा के पास है। धरने को सम्बोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा की वर्तमान सरकार किसानों को लूट रही है। इस दौरान सिवानी के एसडीएम ने आकर मांग पत्र लिया और उन्होंने कहा कि वो इस मामले को लेकर उपायुक्त से बात करेंगे। किसान सभा ने फैसला किया है की 20 मार्च तक अगर समाधान नहीं हुआ तो 21 मार्च को मीटिंग करके आगामी आन्दोलन की धोषणा की जाएगी।

डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना का लाभ लेने में लगी आपत्ति हटवाने के लिए 18 मार्च तक जमा करवाएं दस्तावेज: उपायुक्त महावीर कौशिक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि अनूसूचित जातियां एवं पिछडे वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना के अंर्तगत वर्ष 2024-25 के लिए जिन छात्रों ने आवेदन किए थे। योजना का लाभ लेने के लिए योजना प्रक्रिया के आवेदन में अधूरे दस्तावेजों के कारण आवेदन पर आपत्ति लगी हुई है और छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिला है। अब उन छात्रों को आपत्ति हटावाने का एक मौका दिया गया है। ऐसे छात्र योजना का लाभ हेतु 18 मार्च तक अपने पूरे दस्तावेज जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। दस्तावेज पूर्ण न करवाने की स्थिति में अधूरे आवेदन रद्द कर दिए जाएंगें। जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस योजना के संबंध में आवेदक कमरा नबर 161, प्रथम मंजिल, लघु सचिवालय भिवानी में सुबह 9 से 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

भिवानी राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला 12 मार्च को

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि राजकीय आईटीआई भिवानी के प्रांगण में 12 मार्च को प्रात 09.00 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में फीटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, वेल्डर, मशीनिस्ट, वायरमैन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, आरएसी, ट्रेक्टर मैकेनिक, टीपीईएस, शीट मेटल, फाउंड्रीमैन ट्रेड से पास लडके व लड़कियां भाग ले सकते हैं।

आईटीआई प्रधानाचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि इस रोजगार मेले में स्वराज इंजन लिमिटेड मोहाली के अधिकारी विद्यार्थियों का अप्रेंटिस व प्लेसमेंट हेतु चयन करेंगे। 18 से 26 आयु वर्ष तक के आईटीआई पास छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं। शिक्षुता अनुदेशक अमरदीप मलिक व राज कुमार आर्य ने आईटीआई पास छात्रों से अधिक से अधिक संख्या में इस रोजगार मेले का लाभ उठाने की अपील की है।

कस्बे के एक गांव से विवाहिता लापता, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

महम, 10 मार्च। थाना क्षेत्र के एक गांव से एक 24 वर्षीय विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पति ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। पुलिस को दी शिकायत में पति ने बताया कि उसकी पत्नी की उम्र 24 साल है। 8 मार्च को शाम 5 बजे वह किसी को बिना बताए अचानक लापता हो गई। बताया कि उसके मोबाइल में दो युवकों व एक महिला का नंबर मिला है। उनको शक है कि इन द्वारा उसकी पत्नी को बहला फुसलाकर ले जाया गया है। पुलिस ने सोनू निवासी भैणी महाराजपुर, दीपक निवासी भैणी मातो व गुरुग्राम की एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की है।

मंदिर में पूजा करने गया था परिवार, चोरों ने उड़ाए गहने व नकदी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

महम, 10 मार्च। निंदाना के एक मकान में चोर हाथ साफ कर गए। उस समय गृहणी मंदिर में गई थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। पुलिस को दी शिकायत में निंदाना तिगरी निवासी विकास शर्मा ने बताया कि घटना सोमवार सुबह की साढ़े 9 बजे की है। वह अपनी ड्यूटी पर गया था। जबकि उसकी माता मकान को ताला लगाकर मंदिर में पूजा करने के लिए गई हुई थी। जब उसकी माता पूजा करके वापस लौटी तो घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था तथा घर के ताले टूटे हुए थे।सामान चेक किया तो लोहे के बक्से में रखे 50 हजार रुपए गायब मिले। इसके अलावा चांदी की चेन,चुटकी,मोबाइल फोन व अन्य सामान चोरी हुआ मिला।पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की है।

मतगणना को लेकर सभी तैयारियां पूरी, तीन ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए: विरेंद्र कुमार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 10 मार्च। चुनाव अधिकारी एवं एमडी शुगर मिल विरेंद्र कुमार ने बताया कि नगर पालिका चेयरमैन पद का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने के बाद 12 मार्च विधिवत रूप से तय समय पर मतगणना का कार्य शुरू किया जाएगा। इसके लिए प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। वे यहां बीडीपीओ कार्यालय में नियुक्त किए गए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की बैठक लेने के बाद जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया कि मतगणना सही तरीके से करवाने के लिए तीन ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है। जो मतगणना के दिन सुबह 6 बजे से अपनी ड्यूटी संभाल लेंगे। सभी गतिविधियों पूरी करने के बाद 12 मार्च को सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना सैंटर पर चोरों तरह पूरी का कड़ा पहरा रहेगा। किसी भी शरारती तत्व को माहौल खराब करने नहीं दिया जाएगा। बता दें कि 2 मार्च को नगरपालिका चेयरमैन पद के लिए उपचुनाव हुआ था। चुनाव में पांच प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। सभी उम्मीदवार वार्ड सहित अपनी मतों का समीकरण लगाकर जीत का दावा कर रहे है। वहीं शहर में भी प्रत्येक गली माहौले में चुनावों की चर्चा हो रही है। अब 12 मार्च को ही पता चलेगा कि शहर की चेयरमैन का ताज किसके सिर पर सजेगा।

साधु संत केवल समाज की भलाई के लिए ही तप जप करते हैं, साधु का सब कुछ प्रभु के प्रति अर्पण रहता है: तेजनाथ

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 10 मार्च। गुरु गोरखनाथ धाम के महंत तेजनाथ ने बताया कि साधु संत भगवान का सिमरन कर हमेशा समाज की भलाई ही मांगते हैं। संत महात्मा अनेक प्रकार के जटिल तप तक करते हैं। मानव कल्याण की कामना करते हैं। संत हमेशा द्वेष, कलह व अहंकार से दूर रहता है। संत भले ही गृहस्थ जीवन से दूर रहते हैं मगर भलाई सभी के लिए मांगते है। उन्होंने बताया कि 23 मार्च को इस्माईलाबाद के गुरु गोरख नाथ धाम में नाथ संप्रदाय की ओर से हरड़ पूजा की जाएगी। जिसमें मुख्य रूप से अस्थल बोहर के गद्दीनशीन महंत बालक नाथ योगी, आठ पीर सहिते नाथ सम्प्रदाय की जमात विशेष रूप से हिस्सा लेगी। यह फैसला श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर के गद्दीनशीन महंत बालक नाथ योगी से विचार विमर्श करके लिया गया है। 14 और 15 अप्रैल को नाथ संप्रदाय का आठ मान का भंडारा किया जाएगा। यह समागम बहुत बड़ा और अनूठा होगा। जिसमें प्रदेश के अलावा पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, हिमाचल के अलावा अन्य प्रदेशों से भी काफी श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। सभी श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था का उचित प्रबंध किया जाएगा।

विधवा सेल की मासिक समीक्षा बैठक हुई आयोजित

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार की अध्यक्षता में विडो सेल की ऑनलाइन मासिक समीक्षा बैठक आयोजन हुई। बैठक में सीजेएम पवन कुमार ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने जिला स्तर पर विडो सेल सिस्टम के तहत विधवा महिलाओं को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने व उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने बारे में विस्तार से समीक्षा की। सीजेएम ने निर्देश दिए कि विडो सेल की मदद से महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया जाए। सरकार द्वारा विधवा महिलाओं के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें पेंशन संबंधी, लोन संबंधित योजनाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ विधवा महिलाओं को मिलना जरूरी है।

12 मार्च को मतगणना का कार्य होगा शुरू

सुबह 8 बजे शुरू होगी मतगणना। मतगणना केंद्रों पर मोबाइल रहेगा वर्जित

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 10 मार्च। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर 12 मार्च को मतगणना का कार्य शुरू होगा। जिला प्रशासन ने इसे लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतगणना सुबह 8 बजे शुरू हो जाएगी। इसलिए सभी काउंटिंग स्टाफ, उम्मीदवार व उनके एजेंट निर्धारित समय पर मतगणना केंद्रों में पहुंचना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार या उनके एजेंट की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम का दरवाजा खोला जाएगा। इसकी वीडियोग्राफी भी होगी।

काउंटिंग एजेंट को यह अनुमतिः

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि काउंटिंग एजेंट को पैन, पेंसिल व कागज लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त उम्मीदवारों के लिए प्रत्येक मतगणना केंद्र पर क्लॉक रूम बनाया गया है, जिसमें उम्मीदवार अपना मोबाइल जमा करवा सकते हैं।

मतगणना केंद्र के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजामः

एसपी गंगाराम पुनिया ने बताया कि मतगणना केंद्र के आसपास पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मतगणना केंद्रों की व्यवस्था के मुताबिक बैरिकेडिंग कर ली गई है। अधिकृत व्यक्ति को ही मतगणना केंद्र में जाने की अनुमति होगी। जिला प्रशासन ने जिन अधिकारियों, कर्मचारियों, उम्मीदवारों व पोलिंग एंजेंट की पास जारी किए हुए हैं, उन्हें जांच के बाद अंदर जाने दिया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि पुलिस के साथ सहयोग करें और एक जगह एकत्रित होकर जाम की स्थिति न बनने दें।

इन स्थानों पर होगी मतगणनाः

- करनाल नगर निगम- पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय, करनाल।
- नीलोखेड़ी नगर पालिका- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नीलोखेड़ी।
- इंद्री नगर पालिका- कार्यालय, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, इंद्री।
- असंध नगर पालिका- कार्यालय, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, असंध।

एसडीएम ने गांव हसंगा में परीक्षा केंद्र व मार्केट कमेटी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 10 मार्च। उपमंडलाधीश सुरेश कुमार ने सोमवार को गांव हसंगा में परीक्षा केंद्र व मार्केट कमेटी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मार्केट कमेटी के कार्यालय में पहुंचकर आवश्यक दस्तावेजों की जांच, शौचालय, लाइट, पीने के लिए पानी, साफ सफाई आदि का निरीक्षण किया। एसडीएम सुरेश कुमार ने मार्केट कमेटी अधिकारियों से अनाज मंडी में अनाज के रखरखाव व फसल खरीद से संबंधित सभी पहलुओं की बारीकी से जानकारी ली।

उन्होंने अनाज मंडी में बने शौचालयों व मंडियों की साफ सफाई करने के साथ-साथ पीने की पानी की उचित व्यवस्था बनाए रखने के आदेश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मार्केट कमेटी के संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे गेहूं सीजन को ध्यान में रखते हुए समय रहते मंडियों में गेहूं खरीद के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। एसडीएम ने गांव हसंगा में परीक्षा केंद्र का निरिक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षाएं शांतिपूर्ण और नकल मुक्त माहौल में संपन्न होनी चाहिए। परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन की तरफ से परीक्षा ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निष्पक्षता से ड्यूटी करने के निर्देश दिए हैं व किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस मौके पर मार्केट कमेटी सचिव राजकुमार सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी व स्टॉफ उपस्थित रहे ।

सूखा व गीला कचरा डालने के लिए निगम ने शहरी क्षेत्र में लगवाए ट्विनबिन

भीड़ वाले इलाकों में निगम ने लगवाए ट्विनबिन। खुले में कचरा फेंकने वालों पर निगम द्वारा होगी कार्रवाई

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

यमुनानगर,10 मार्च। शहर को खुले में कचरा मुक्त बनाने के लिए नगर निगम द्वारा भरकस प्रयास किए जा रहे हैं। निगम द्वारा व्यावसायिक क्षेत्र में रात और दिन में रिहायशी क्षेत्रों से डोर टू डोर कचरा एकत्रित करने का कार्य किया जा रहा है। अब निगम ने बाजार व भीड़ वाले क्षेत्रों में सूखा व गीला कचरा अलग अलग डालने के लिए ट्विनबिन (जुड़वां कूड़ेदान) लगवाए हैं। इसमें गीला कचरा डालने के लिए हरा और सूखा कचरा डालने के लिए नीले रंग का कूड़ेदान है। यह कार्य निगमायुक्त आयुष सिन्हा के निदेर्शों पर किया जा रहा है। निगम द्वारा शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर 100 मीटर की दूरी पर यह ट्विनबिन लगाए

जाएंगे। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में सर्वश्रेष्ठ रैंक के लिए निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने कुछ दिन पहले सफाई व अभियंता शाखा के अधिकारियों को शहर में ट्विनबिन लगवाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जोन एक में सीएसआई हरजीत सिंह व जोन दो में सीएसआई सुनील दत्त के नेतृत्व में बनी टीमों ने रेलवे रोड, पुराना रादौर रोड, पुराना हमीदा, वर्कशॉप रोड, अंबाला रोड, शादीपुर, कामीमाजरा, बस स्टैंड समेत शहर के मुख्य बाजारों के आसपास साफ-सफाई रखने के लिए ट्विनबिन रखवाए गए। यह ट्विनबिन 100 से 200 मीटर की दूरी पर रखवाए गए है। इसमें ही कूड़ा डालेंगे। हरे रंग के कूड़ेदान में गीला कचरा व नीले रंग के कूड़ेदान में सूखा कचरा डाला जाएगा। सप्ताह भर के अंदर चिह्नित स्थानों पर नगर निगम द्वारा ट्विनबिन रखवा दिए जाएंगे। निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि शहर को साफ, सुंदर व स्वच्छ बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। नगर निगम द्वारा शहर को साफ रखने के लिए रोजाना सफाई कराई जाती है। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए हर कॉलोनी में वाहन भेजे जा रहे हैं। फिर भी लोग खुले में कचरा डालकर शहर को गंदा बना रहे है, जो कि गलत है। लोग खुले में कचरा न डाले, इसलिए अब शहर में ट्विनबिन लगाए गए है।

लायन्स क्लब रतिया सिटी को समाज सेवा में अपने उल्लेखनीय कार्य के लिए मिला अवार्ड

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 10 मार्च। लायंस क्लब जनपद 321 अ3 की तीसरी कैबिनेट मीटिंग सिरसा होटल अरोमा इन्न में संपन्न हुई।इसमें जनपद के 122 क्लबों ने भाग लिया। विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा के कार्यों के लिए विभिन्न क्लबों को चिन्हित करके सम्मानित किया गया जिसमें लॉयन्स क्लब रतिया सिटी को जनपद में से सबसे ज्यादा अवार्ड प्राप्त हुए। यह जानकारी देते हुए क्लब सचिव लायन गोपालचंद कुलरियाँ ने बताया कि जुलाई हफ्ते में पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत लॉयन्स क्लब रतिया सिटी ने 1000 के करीब पौधे लगाए इस प्रोजेक्ट के लिएलिए फर्स्ट प्राइज

मिला और साथ के साथ 5100 नगद राशि मिली ।

सबसे ज्यादा प्रोजेक्ट लगाने के अंतर्गत दिसंबर तक हमारा क्लबदूसरे नंबर पर रहा और 31 जनवरी तक क्लब इसी क्षेत्र में फर्स्ट आया।बिल्ड द फ्यूचर सर्विस वीक के दौरान क्लब 14 प्रोजेक्ट लगाकर दूसरे नंबर पर रहा। मेंबरशिप ग्रोथ के लिए भी प्रधान प्रदीप बंसल जी को एक सर्टिफिकेट और एक गेट पिन लगाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनपद के सभी अधिकारियों ने लॉयन्स क्लब रतिया सिटी की बहुत-बहुत प्रशंसा की। इन अवॉर्डों के लिए क्लब के सभी मेंबर सहयोगी रहे। इस अवसर पर जनपद गवर्नर मैडम सुधा कामरा वीडीजी 1 लायन विशाल बढेरा वीडीजी 2 लायन संजय गांधी और कैबिनेट के दूसरे अधिकारी अनेकों पीडीजी और हमारे क्लब के उपाध्यक्ष लायन हरबीर जोड़ा लायन राजू अरोड़ा आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन कैबिनेट सेक्रेटरी लायन अमित गगनेजा ने किया। अंत में मैडम सुधा कैमरा ने डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस की घोषणा की जो कि16-17मईको होगी सिटी और वेन्यू एक-दो दिनों में खोज दिया जाएगा।

मतगणना कर्मियों की ड्यूटी के लिए दिया गया प्रशिक्षणः रिटर्निंग अधिकारी महेश कुमार

कहा, नगर पालिका चुनाव की मतगणना की सभी तैयारियां पूरी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी महेश कुमार ने कहा कि नगर पालिका चुनाव की मतगणना में लगे अधिकारियों और कर्मियों को ड्यूटी के लिए आज सोमवार को राजकीय महिला महाविद्यालय के सभागार में एआरओ कम तहसीलदार अंकित कुमार की अध्यक्षता में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। रिटर्निंग अधिकारी महेश कुमार ने कहा कि हरियाणा निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार नगर पालिका चुनाव की मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कल बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष पद और वार्ड पार्षदों के मतों की गणना की जाएगी। महेश कुमार ने कहा कि मतगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी महावीर कौशिक की अध्यक्षता में मतगणना कर्मियों की रेंडमाइजेशन का कार्य संपन्न किया गया है। रेंडमाइजेशन से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा कि जिला की बवानी खेडा, सिवानी और लोहारू नगर पालिका के लिए मतगणना कर्मियों का चयन कर लिया गया है। जिनका प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सोमवार को आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि फाइनल प्रशिक्षण के दौरान निकाय क्षेत्र के टेबल अलॉट किए जाएंगे।

रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है। जिसके तहत रेंडमाइजेशन के अंतिम व तीसरे चरण के तहत 12 मार्च को मतगणना से पूर्व कॉउंटिंग टेबल अलॉट किए जाएंगे। ताकि मतगणना की प्रक्रिया संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि जिला के सभी नगर पालिका क्षेत्रों में मतगणना का कार्य संबंधित क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी द्वारा चिन्हित स्थान पर किया गया है।

रिटर्निंग अधिकारी कम एसडीएम महेश कुमार ने बताया कि बवानी खेडा नगर पालिका चुनाव की मतगणना राजकीय महिला महाविद्यालय के सभागार में की जाएगी। जहां 08 टेबल लगाए गए हैं। प्रत्येक टेबल पर नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षदों के मतों की गणना के लिए दो दो राउंड होंगे। उन्होंने कहा कि मतगणना के तुरंत बाद हरियाणा निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार रिजल्ट की घोषणा कर दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान डॉ राकेश रोहिल्ला, नगर पालिका के सचिव सचिन कुमार सहित अन्य अधिकारी गण और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीवन में हमें सदैव भलाई के कार्य करने चाहिए : अमरेंद्र सिंह खारा

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 10 मार्च। सीवन के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि, प्रमुख समाजसेवी व सीवन अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान अमरेंद्र सिंह खारा ने कहा कि हमें सदैव भलाई के कार्य करने चाहिए क्योंकि कर भला तो होगा भला। जब हम निःस्वार्थ भाव से किसी की मदद करते हैं, तो न केवल समाज में प्रेम और सद्भाव बढ़ता है, बल्कि हमें भी आत्मिक संतुष्टि मिलती है। भलाई के कार्य इंसान को सच्ची खुशी और सम्मान दिलवाते हैं। समाज में हर व्यक्ति को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह सदैव जरूरतमंदों की सहायता करेंगे। अमरेंद्र सिंह खारा ने कहा कि भलाई के कार्य कई रूपों में किए जा सकते हैं। जैसे जरूरतमंदों की मदद करना, अनाथ बच्चों को शिक्षा दिलवाना, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना और जरूरतमंदों को सहारा देना। जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के अच्छे कार्य करता है, तो उसका प्रभाव पूरे समाज पर सकारात्मक पड़ता है। इससे समाज में प्रेम और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि भलाई के लिए पैसों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सेवा भाव जरूरी होता है। एक छोटी-सी मदद भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। किसी को सही मार्गदर्शन देना, किसी निराश व्यक्ति को प्रोत्साहित करना, या किसी भूखे को भोजन कराना ये सभी भलाई के कार्य हैं। ऐसे कार्यों से समाज में खुशहाली और शांति बनी रहती है। अमरेंद्र सिंह खारा के अनुसार, जो लोग सच्चे दिल से दूसरों की भलाई करते हैं, उन्हें ईश्वर भी आशीर्वाद देते हैं। यह प्रकृति का नियम है कि जो दूसरों की मदद करता है, उसकी राहें भी आसान हो जाती हैं। इसलिए हमें हमेशा भलाई के कार्य करने चाहिए, ताकि हमारा जीवन भी सुखमय और संतोषजनक बने। अमरेंद्र सिंह खारा ने कहा कि यदि हम सभी भलाई के कार्यों में आगे आए, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। यह आवश्यक है कि हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं, जहां हर कोई एक-दूसरे की मदद करने के लिए तैयार रहे। कर भला तो होगा भला सिर्फ एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण संदेश है, जिसे हम सभी को अपनाना चाहिए।

सिहमा में दो दिवसीय पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 10 मार्च। रामकृष्ण दिव्यांग विद्यालय सिहमा में चल रहे दो दिवसीय पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का गतदिवस समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह व डायरेक्टर संयोगिता शर्मा ने मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलित कर किया।

पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम के पहले दिन प्रोफेसर अनिल कुमार व डॉक्टर आरपी सिंह ने

कहा कि पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वे अपने जीवन में स्वतंत्रता और आत्म-निर्भरता प्राप्त कर सकें।

पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आत्म-निर्भरता को बढ़ावा देता है, जिससे विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति अपने जीवन में स्वतंत्रता प्राप्त कर सकें।

झुग्गी-झोपड़ियों में स्वास्थ्य जांच शिविरों का हुआ आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

कैथल, 10 मार्च। डीसी प्रीति के दिशा-निदेर्शानुसार जिला रैडक्रॉस सोसायटी कैथल द्वारा टीबी परियोजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन अनाज मण्डी कैथल के नजदीकी झुग्गी झोपड़ी में किया गया । इस शिविर में जरूतमंद रोगियों को स्वास्थ्य जांच करके दवाईयां वितरित की गई।

जिला रैडक्रॉस सचिव रामजी लाल ने बताया कि कैथल टीबी से मुक्ति की ओर अग्रसर है। टीबी हारेगा-देश जीतेगा। टीबी के लक्षण आएं-तुरन्त डाक्टर के पास जाएं। दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार आना, रात में पसीना आना, भूख न लगना और वजन घटना आदि टीबी के प्रमुख लक्षण है। आधुनिक जांच और ईलाज की सुविधा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में मुफ्त उपलब्ध है। टीबी के जीवाणु खांसने और छीकनें से फैलते है। खांसते समय मुंह ढक कर रखें।

समाधान शिविर में प्रत्येक कार्य दिवस में लोंगो की समस्याएं सुनीं जा रही : एसडीएम

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 10 मार्च। प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार एसडीएम सुरेश कुमार की अध्यक्षता में उपमंडल स्तर पर प्रत्येक कार्य दिवस को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर का आयोजन कर लोंगो की समस्याएं सुनी जा रही है। सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक कोई भी नागरिक अपनी समस्याएं शिविर में दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि अपने विभाग से संबंधित लोंगो की समस्याओं बारे अपडेट ब्यौरा समाधान शिविर में लाएं और समस्या का समाधान उपरांत रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। एसडीएम सुरेश कुमार ने बताया कि शिविर में प्राप्त होने वाली समस्याओं का नियमानुसार समाधान करने के लिए अधिकारियों को मौके पर निर्देश दिए जा रहे हैं।

शिविर में आमजन के प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, आधार, पुलिस विभाग, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, राशन कार्ड, बिजली, पानी, सिंचाई आदि से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जा रहा हैं।

महम चीनी मिल की साधारण सभा की बैठक 25 मार्च को

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। दी महम सहकारी चीनी मिल लिमिटेड महम जिला रोहतक की सामान्य सभा की बैठक 25 मार्च को प्रातः 10 बजे मिल परिसर में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए चीनी मिल के प्रबंध निदेशक मुकुंद तंवर ने बताया कि इस बैठक में दो सितंबर 2024 को आयोजित हुई सामान्य सभा की बैठक को अनुमोदित करने बारे विचार-विमर्श करके निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने सभी अंशधारी सदस्यों से बैठक में निश्चित तिथि, स्थान व समय पर पहुंचने का अनुरोध किया है।

संपादक की कलम से

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : क्या शहरी बस्तियों तक पहुंच पाएगा महिला सशक्तिकरण

साल 2025 का 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तेजी से कार्रवाई करें' की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाएं अपने अधिकारों, सुरक्षा और सपनों के लिए संघर्षरत हैं, लेकिन वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति और समाज एवं परिवार की बेरुखी उनके जीवन को ज्यादा कठिन बना देती है। बड़े महानगरों सहित मेट्रो सिटी के रूप में विस्तार पा चुकी शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाओं की जिंदगी की सच्चाई को अगर करीब से देखा जाए, तो यह साफ हो जाता है कि उनकी समस्याएं केवल गरीबी और संसाधनों की कमी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह असमानता, भेदभाव, पलायन और सामाजिक एवं राजनीतिक उपेक्षा की गहरी जड़ों से भी जुड़ी हुई हैं। ऐसी स्थिति में, साल 2025 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 'तेजी से कार्रवाई करें' की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

शहरी बस्तियों की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करके आती है। छोटे शहरों एवं राज्यों की राजधानियों की कमोबेश यही स्थिति है। महानगरों में पलायन गांवों के साथ-साथ छोटे शहरों से भी होता है। पिछले कुछ दशकों में ग्रामीण एवं छोटे शहरों में रोजगार के अभाव ने पलायन को तेज किया है। गांवों में आज भी छुआछूत है, जिसकी वजह से दलित समुदाय पलायन कर शहरी बस्तियों में आ रहा है। इसलिए बस्तियों की कुल आबादी में एक बड़ा हिस्सा दलित एवं आदिवासी समुदायों का होता है। कुछ परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए शहरों का रुख करते हैं। यह सिलसिला दशकों से चल रहा है, जिसकी वजह से शहरी बस्तियों में रहने वाले परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी के साथ-साथ हाल के वर्षों में आए परिवार भी हैं। इन बस्तियों में रह रहे बहुत कम परिवार हैं, जो अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर कर कॉलोनियों की तरफ चले गए। अधिकांश परिवार इन्हीं बस्तियों में स्थायी रूप से रहने लगे हैं। इन बस्तियों में पानी की किल्लत, शौचालयों की कमी, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों का अभाव, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का अभाव जैसे कई गंभीर मुद्दे हैं। महिलाएं इन समस्याओं से सबसे ज्यादा जूझ रही हैं। इनकी वजह से उनके जीवन पर नकारात्मक असर पड़ता है।

शहरी बस्तियों में हाल ही में पलायन करके आए परिवारों और वर्षों से रहने वाले परिवारों के बीच भी अक्सर सामाजिक और सांस्कृतिक संघर्ष देखने को मिलता है। विभिन्न राज्यों और भाषाई पृष्ठभूमियों से आने वाले परिवारों के बीच संसाधनों को लेकर टकराव, परंपराओं और जीवनशैली में मतभेद की वजह से अक्सर असहमति और तनाव उत्पन्न होते हैं। इस संघर्ष का सबसे अधिक बोझ महिलाओं को उठाना पड़ता है, क्योंकि उन्हें ही पारिवारिक समायोजन और सामाजिक मेलजोल को बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। कई बार नई बस्तियों में हाल ही में आई महिलाएं स्थानीय भाषा न जानने के कारण सरकारी योजनाओं और समुदाय आधारित सहायता समूहों तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे वे और भी ज्यादा हाशिए पर चली जाती हैं।

आर्थिक संकटों से जूझ रहे इन परिवारों की महिलाएं घरेलू कामगार, सफाई कर्मचारी, छोटे-मोटे कारीगर या असंगठित क्षेत्र की मजदूर होती हैं, जो घर एवं बाहर दोनों ही जगहों पर समस्याओं से जूझ रही हैं। कई महिलाएं घर से दूर काम करने जाती हैं, लेकिन उनके लिए सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा एक बड़ी चिंता का विषय बनी रहती है। कार्यस्थल पर महिलाओं को अक्सर असभ्य व्यवहार का सामना करना पड़ता है। रात के समय इन बस्तियों की गलियां अंधेरे में डूबी रहती हैं, जिससे महिलाओं के लिए घर लौटना खतरे से खाली नहीं होता। शहरी विस्थापन के कारण शहर से दूर फेंक दिए जाने के कारण यह संकट और गहरा हो जाता है। महिलाओं के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर रोजगार से जुड़े कई प्रशिक्षण दिए जाते हैं, लेकिन उसका कोई फायदा उन्हें नहीं मिल पाता। एक तो बस्ती में स्वरोजगार के अवसर सीमित हैं, दूसरी बात यह कि वे कहीं अन्य जगह जाकर स्वरोजगार कर पाने में असमर्थ होती हैं।

बस्ती की ज्यादातर महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य और पोषण की अनदेखी कर देती हैं। अधिकांश बस्तियों में सुबह चार बजे उठकर पानी भरने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना महिलाओं की दिनचर्या का हिस्सा है। उनके पास इतना समय ही नहीं बचता कि वे अपने लिए कुछ सोच सकें। बस्ती में स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, और जब कभी वे बीमार पड़ती हैं, तो सरकारी अस्पतालों की भीड़ और लापरवाही उनके लिए एक नई समस्या बन जाती है। शहरी बस्तियों में महिलाओं के लिए शिक्षा भी एक बड़ी चुनौती है। कई लड़कियां किशोरावस्था में ही स्कूल छोड़ देती हैं क्योंकि उनके घरवालों को लगता है कि पढ़ाई की बजाय घर का काम करना और छोटे भाई-बहनों की देखभाल करना ज्यादा जरूरी है। इसके साथ ही बालिकाओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई बालिकाएं घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कम उम्र से ही मां के साथ काम पर जाने लगती हैं।

इसके अलावा, घरेलू हिंसा इन बस्तियों की महिलाओं के लिए एक और गंभीर समस्या है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं होता और अगर कोई महिला हिम्मत करके शिकायत कर भी देती है, तो समाज और परिवार का दबाव उसे वापस उसी प्रताड़ना भरी जिंदगी में धकेल देता है। कई महिलाओं को यह भी नहीं पता होता कि उनके लिए कानूनी मदद और सहायता समूह उपलब्ध हैं।

कठोपनिषद-3

यम ने असंख्य प्रलोभन देते हुए कहा-
कामनाएं इस मृत्युलोक में है दुर्लभ,
उन सब कामनाओं को कर दूं सुलभ,
मांग कर तो देख सांसारिक आमोद प्रमोद,
लो भौतिक सुख छोड़ मृत्यु के विषय का बोध,
प्रलोभन को सुन नचिकेता बोले-
ये सब अंत करने वाले हैं यमराज,
बताओ स्थिर और कल तक रहने वाला राज,
भोग इंद्रियों के तेज को करते दुर्बल,
कितना ही दीर्घ जीवन हो अंत में परिमित कल,
मनुष्य मृत्यु के मुख में चला जाता,
इन सारे सुखों से जीवन का पता नहीं चल पाता,
भूमि स्वर्ण आदि का जो प्रलोभन आपने दिया मुझे,
इससे मनुष्य की तृप्ति न मुझे सूझे,
अब मुझे वास्तविक वर से न हटाइए,
जो वर मांगा आपसे वही मुझे चाहिए,
अजर अमर के पास पहुंच स्थिर सुख का करे रमण,
क्यों अस्थिर सुख में रह करें व्यर्थ में गमन ,
जिस महान परलोक के विषय में बनी हुई शंशा,
मृत्यु अनन्तर जीवात्मा के रहने और दग्ध की चर्चा,
साधारण व्यक्ति के समझ के परे ऐसा ज्ञान,
इस गूढ़ रहस्य को जानने को लगा मेरा ध्यान।

क्रमशः

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

क्रूर एवं आक्रांता मुगल शासक हमारे आदर्श कैसे?

-ललित गर्ग-

मुगल बादशाह औरंगजेब की क्रूरता, अत्याचार एवं यातनाएं एक बार फिर बॉलीवुड की फिल्म छावा के कारण सुर्खियों में है। इस बार मामला सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीति में भी गर्मा गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल ला दिया है एवं देश के बहुसंख्य समाज की भावनाओं को आहत किया है। भारत में आज भी एक ऐसा वर्ग है जो इस्लामिक कट्टरता के साथ जुड़ने में गर्व एवं गौरव की अनुभूति करता है, भले ही इससे देश की एकता एवं अखण्डता क्षत-विक्षत होती हो। इस्लाम के नाम पर जिसने हजारों हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया, तलवार की नोक पर बड़ी संख्या में लोगों को जबरन मुसलमान बनाया, ऐसे क्रूर एवं सांप्रदायिक शासक औरंगजेब को नेकदिल और महान शासक बताना, आखिर किस तरह की सोच है? भारत के अतीत को जघन्य अपराधों, कट्टरतावादी सोच एवं यातनाओं से सींचने वाले मुगल शासकों के प्रति यह कैसा मोह एवं ममत्व है? हिन्दू धर्म एवं संस्कृति पर आक्रमण करने वाले हमारे आदर्श कैसे हो सकते हैं? भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्धि को कुचलने वाले महान् शासक कैसे हो सकता है? इन प्रश्नों को लेकर देशभर में छिड़ी बहस हमें आत्मावलोकन एवं मंथन का अवसर दे रही है।

फिल्म ह्यछावाह्ण कोरी फिल्म ही नहीं, हिन्दुओं को संगठित करने का अभियान है, जिसने औरंगजेब के क्रूर एवं बर्बर चरित्र को प्रस्तुत किया है, यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में संभाजी के साहस, बलिदान और औरंगजेब के अत्याचारों को दिखाया गया है। संभाजी को औरंगजेब ने छलपूर्वक 1689 में क्रूरता से मरवा दिया था, जिसे फिल्म में भावनात्मक ढंग से पेश करने की सफल एवं सार्थक कोशिश हुई है। इस फिल्म में समाजवादी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र विधायक अबू आजमी ने इतिहास को गलत ढंग से पेश करने का आरोप लगाते हुए औरंगजेब की तारीफ करके विवाद को और हवा दे दी। आजमी ने कहा, औरंगजेब क्रूर शासक नहीं था। उसने कई मंदिर बनवाए और उसके शासन में भारत सोने की चिड़िया था। आजमी ने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और संभाजी के बीच की लड़ाई धार्मिक नहीं, बल्कि सत्ता की थी। इस तरह मुगल आक्रांताओं की तारीफ करना सपा के डीएनए में है। हो सकता है आजमी का यह औरंगजेब प्रेम एवं मुस्लिम कट्टरतावादी सोच हो, लेकिन औरंगजेब ने संभाजी महाराज को 40 दिनों तक जो यातनाएं दीं, वह क्या थी? उनकी आंखें निकाली गईं, जीभ काटी गई, उनके शरीर को लहूलुहान करके उस पर नमक छिडका और फिर उनकी हत्या कर दी गई, इस तरह क्रूरता एवं बर्बरता बरतने वाले शासक को कैसे आदर्श कहा जाये? असंख्य महिलाओं एवं बच्चों पर अत्याचार करना, जबरन धर्म परिवर्तन कराना, हिन्दू मन्दिरों को तोड़ना, देश की समृद्धि का गलत उपयोग करना कैसे प्रेरणास्पद हो सकता है?

औरंगजेब पोत राज्यों, राजपूताना और मराठा शासकों के परिवारों का अपहरण कर लेता था और उन्हें बंधक बना लेता था। ताकि वह निर्विरोध शासन करते हुए सम्पूर्ण भारत पर आधिपत्य कर सके। उसने सभी गैर-मुस्लिम प्रजा और पोत राज्यों से धार्मिक असहिष्णुता कर ह्यजजियाह्ण वसूला। औरंगजेब एक असहिष्णु, क्रूर एवं कट्टरपंथी था और उसकी कट्टरता के कारण करोड़ों लोगों को कष्ट सहना पड़ा। शांति और बहुसंस्कृतिवाद की भूमि भारत में ऐसे अत्याचारी को आदर्श नहीं बनाया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब औरंगजेब जैसे मुगल शासकों के प्रति प्रेम का प्रदर्शन उमड़ा हो, जब दिल्ली की एक सड़क का नाम औरंगजेब रोड से बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया था, तब भी बहुत हाय-तौबा मचाई गयी थी। उस समय भी अनेक लोगों ने औरंगजेब को महान शासक बताया था। जबकि इतिहासकारों ने भी दर्ज किया है छल से छत्रपति संभाजी को पकड़ने के बाद औरंगजेब ने अत्याचार एवं अमानवीयता की सभी हद पार करते हुए जुल्म किए। औरंगजेब छत्रपति संभाजी को इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर कर रहा था लेकिन छत्रपति ने सब प्रकार के कष्ट सहे लेकिन इस्लाम कबूल नहीं किया। जब फिल्मकार ने इस सच को सिनेमा के माध्यम से सबके सामने रखा तो अबू आजमी ने सच को स्वीकारने की बजाय इतिहास को ही झुठलाने का प्रयास किया। उनके बयान की पक्ष-विपक्ष सबने आलोचना की है। कुल मिलाकर, औरंगजेब की तारीफ करने पर चौतरफा घिरे सपा विधायक अबू आजमी को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज की गई हैं जब मामला और बिगड़ गया तो अबू आजमी ने माफी मांगी। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने जो कहा, वह इतिहासकारों के हवाले से कहा। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि वे कौन से इतिहासकार हैं जिनका हवाला अबू आजमी दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि अबू आजमी सरीखे कुछ चाटुकार एवं चारण लोग इतिहासकारों में भी हुए हैं, कांग्रेस के शासन में ऐसे इतिहासकारों से मुगल शासन को महिमामंडित करके लिखवाया गया एवं स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर हिन्दुस्तान की रग-रग में उतारा गया है। औरंगजेब जैसे तानाशाही शासकों के क्रूर चेहरे को छिपाने के लिए झूठे-सच्चे कुछ किस्सों का सहारा लिया है। परंतु ये फर्जी इतिहासकार सच को छिपा नहीं सके। सिद्धांत, सच और व्यवस्था के आधारभूत मूल्यों को मटियामेट कर सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक स्तर पर कीमत वसूलने की ऐसी कोशिशों से बहुत नुकसान हो चुका है, अब इन मनसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जा सकता। सत्य को ढका जाता रहा है पर स्वीकारा नहीं गया। और जो सत्य के दीपक को पीछे रखते हैं वे मार्ग में अपनी ही छाया डालते हैं, भ्रम पालते हैं, झूठ एवं फरेब के सहारे गलत को सही ठहराने की कुचेष्टा करते हैं।

शिवाजी की मृत्यु के बाद उनके बेटे संभाजी ने मराठा साम्राज्य को संभाला। उन्होंने स्वराज्य के संकल्प को ही आकार नहीं दिया बल्कि एक नवीन राज्य निर्मित किया एवं एक नवीन महत्तर महाराष्ट्र को पुनर्जीवित किया। मराठों में साहसिक वीरता, उत्कृष्ट सहनशीलता, घोर निराशा में आशा की भावना, आत्मविश्वास, उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा, श्रेष्ठ सैनिक नैतिक बल, आत्म बलिदान, राष्ट्रीय और देशप्रेम की उत्कृष्ट भावना जैसे गुण विकसित किए और इससे वे इतने शक्तिशाली हो गए कि आगामी 3 पीढ़ियों में वे उत्तरी भारत में विजेता के रूप में पहुंच गए। छत्रपति शिवाजी एवं उनके वंशज देश के अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की हर कोशिश को नाकाम करते रहे हैं।

औरंगजेब की क्रूरताएं सिर्फ दुश्मनों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके शिकार उसके भाई और पिता भी हुए। इतिहासकार इरफान हबीब ने औरंगजेब की क्रूरता के अनेक किस्सों को उजागर करते हुए बताया कि मुगल सत्ता पाने की लालच में औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को जेल भिजवाया। फिर दारा शिकोह को जंग में हराया। हालांकि जंग हारने के बाद दारा मैदान छोड़कर भाग गया था। लेकिन औरंगजेब ने दारा को गिरफ्तार करवाया और षडयंत्र रचकर उसकी गर्दन कलम करवा दी। औरंगजेब सिर्फ दारा शिकोह की हत्या से खुश नहीं हुआ। उसने हत्या की बाद क्रूरता की हदें भी पार की। एक भाई के साथ ऐसी क्रूरता भारतीय इतिहास में देखने को नहीं मिलती। उसने दारा का कटा हुआ सिर जेल में बंद पिता को भेजा।

मुगल शासक औरंगजेब को लेकर महाराष्ट्र से शुरू हुई बयानबाजी की आंच समूचे देश मे पहुंच गयी है। हिन्दुओं में गहरा आक्रोश एवं रोष है। मांग उठ रही है कि मुगल सम्राट औरंगजेब को बर्बर शासक घोषित किया जाए और भारत में उसके नाम पर रखे गए सभी सड़कों और स्थानों के नाम बदलने के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाए। जैसाकि संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने ओसामा बिन लादेन और फ्रांसीसी व रूसी क्रांति के अवशेषों के साथ किया था। किसी भी राष्ट्र एवं समाज का निर्माण इतिहास के सच और ईमानदारी से ही बनता है। और यह सब प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ सौदा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह भी एक सच्चाई है कि राष्ट्र, सरकार एवं समाज ईमानदारी से चलते एवं बनते हैं, न कि झूठे इतिहास से। सच को झुठलाना, सच को ढ़कना एवं सच की अनभिज्ञता संसार में जितनी क्रूर है, उतनी क्रूर मृत्यु भी नहीं होती। नया भारत-विकसित भारत-समृद्ध भारत को निर्मित करते हुए हमें हमारे गौरवपूर्ण सांस्कृतिक इतिहास को जीवंतता देनी होगी एवं हमारी संस्कृति एवं इतिहास को कुचलने वाले आक्रमणकारी शक्तियों के विकृत एवं विरूप चेहरों को बेनकाब करना होगा।

प्रेषक

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

आज रसोई पर संकट मंडरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दशार्ती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। ह्यनेचर फूडह्ण पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूड्स की ही बड़ी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रतिव्यक्ति सालाना बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी। सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फूड और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना बड़ा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी।

इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंकड़ों को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है। स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है।?इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर्डर करें और?खा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकर?खाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से जुड़ता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के डिब्बाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना पड़े।

विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूड्स की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइड इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूडल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं।

प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टडी में बताया गया कि पैकेटबंद फूड्स में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है, इससे कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं, यह कंपाउंड ब्लड प्रेशर लेवल को बढ़ा सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में इमल्सीफायर जब शरीर में पहुंचता है तो इससे शरीर की शक्ति क्षीण होने लगती है और कमजोरी-थकान-सुस्ती बढ़ती है।

पैकेटबंद भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैकेटबंद भोजन अक्सर अतिरिक्त चीनी, नमक और वसा से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनमें फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना अधिक होती है, इनमें स्नेह, प्यार, अपनापन एवं ममत्व नहीं होने से यह पोषित नहीं होते। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि पैकेटबंद भोजन में पाए जाने वाले कुछ रसायन कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। बच्चों में पैकेटबंद भोजन का अधिक सेवन उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्राचीनकाल से ही हमारे देश में घर का चूल्हा यानी रसोई जहां स्वास्थ्य की प्रयोगशाला होती थी वही पूरे परिवार को जोड़ने का केंद्र रही है। यह रसोई ही थी जिसने परिवार को हर सदस्य से प्रेम करना सिखाया। एक दूसरे की इज्जत, सुरक्षा, देखभाल एवं स्वस्थ रहना सिखाया। संयुक्त परिवार के दिनों में सास-बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी के बीच पनपे मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका, ?भोजन बनाते या साथ बैठकर खाते समय सारे मतभेद, गुस्से को तिरोहित करना भी रसोई ने ही सिखाया। यही हाल पुरुषों का भी था। जब साथ बैठकर खाते थे, तो आपसी मतभेद, मनमुटाव हवा हो जाते थे।

नथिंग फोन (3ए) की बिक्री 11 मार्च से शुरू; कम से कम 19,999 में उपलब्ध है

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 10 मार्च। नथिंग, लंदन स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी ने 11 मार्च से फ्लिपकार्ट, विजय सेल्स, क्रोमा और भारत के सभी प्रमुख रिटेल स्टोरों पर नथिंग फोन (3ए) सीरीज की ओपन सेल की घोषणा की है। पहले दिन एक विशेष शुरूआती ऑफर के रूप में, फोन (3ए) 19,999 रुपये की कीमत पर उपलब्ध होगा, और फोन (3ए) प्रो 24,999 रुपये (सभी ऑफर सहित) की कीमत पर उपलब्ध होगा।

4 मार्च, 2025 को नथिंग ने फोन (3ए) सीरीज को वैश्विक स्तर पर लॉन्च किया, जिसके कैमरा में प्रमुख अपग्रेड शामिल हैं। फोन (3ए) में 50एमपी का मेन सेंसर, सोनी का अल्ट्रा-वाइड सेंसर और 2एक्स ऑप्टिकल ज़ूम वाला 50एमपी का टेलीफोटो लेंस है, जबकि पेरिस्कोप कैमरा वाले फोन (3ए) प्रो में 60एक्स अल्ट्रा ज़ूम है। सेल्फी के लिए, फोन (3ए) में 32एमपी का फ्रंट कैमरा है, जबकि प्रो मॉडल में 4के वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ 50एमपी का सेंसर है।

दोनों फोनों में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 मोबाइल प्लैटफॉर्म और 5000एमएएच की बैटरी है जो एक बार फुल चार्ज होने पर दो दिन तक इस्तेमाल करने की सुविधा देती है। 50W पर अपग्रेडेड फास्ट चार्जिंग के साथ, फोन (3ए) सीरीज 20 मिनट से कम समय में पूरे दिन की पावर (50%) देती है। इसके अलावा, दोनों फोन में फुल ल्ऊ+ रेजोल्यूशन के साथ 6.77 इंच का इमर्सिव डिस्प्ले है। स्क्रीन के हर इंच में 387 पिक्सल और फ़्लुइड 120ल्९ अडैप्टिव रिफ्रेश रेट के साथ दृश्य स्पष्ट दिखते हैं। गेमिंग मोड में डिस्प्ले 1000Hz सैंपलिंग रेट प्रदान करता है जिससे गेमिंग स्मूथ और रिस्पॉन्सिव हो जाती है।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन आज से

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सतनाली, 10 मार्च। कस्बे के शहीद स्मृति पार्क में जमुवाय माता मंदिर परिसर में श्री सीताराम सत्संग समिति के तत्वाधान में 11 मार्च से 17 मार्च तक 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रद्धेय आनंद जी महाराज ऋषिकेश के सानिध्य में 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कस्बे के जमुवाय माता मंदिर परिसर में श्रीमद्भागवत कथा एवं दुर्लभ सत्संग के दौरान प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से प्रार्थना एवं प्रवचन, 6:15 बजे से प्रभात फेरी, दोपहर 1 बजे से 1:30 बजे तक भजन कीर्तन, 1:30 से 4:30 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा एवं दुर्लभ सत्संग और सांय 7:30 से 9 बजे तक भजन संकीर्तन एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन किया जाएगा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने हाईलक्स ब्लैक एडिशन पेश किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 10 मार्च। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में एक नई हाईलक्स ब्लैक एडिशन पेश करने की घोषणा की है। यह बेहतरीन लाइफस्टाइल वाला ऐसा यूटिलिटी वाहन है जो कठिन इलाकों में ऑफ-रोडिंग एडवेंचर ड्राइव और शहर में रोजाना इस्तेमाल के लिए सबसे उपयुक्त वाहन की तलाश करने वाले ग्राहकों की चाहत पूरी कर सकता है। ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया, नया हाईलक्स ब्लैक एडिशन अपनी शानदार मजबूती, शक्ति और प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए आक्रामक और परिष्कृत ऑल-ब्लैक थीम प्रदान करने का लक्ष्य रखता है।

हाईलक्स ब्लैक एडिशन में बिल्कुल नया ब्लैक थीम वाला एक्सटीरियर है, जो इसे सड़क पर एक प्रभावशाली उपस्थिति देता है। प्रमुख डिजाइन संवर्द्धन में ब्लैक रंग का फ्रंट रेडिएटर ग्रिल, मस्कुलर बोनट लाइन और कस्टमाइज्ड हब कैप के साथ 18 इंच के ब्लैक अलॉय व्हील शामिल हैं। ब्लैक ओआरवीएम कवर, डोर हैंडल, फेंडर गार्निश और फ्यूल लिड गार्निश जैसे अतिरिक्त स्टाइलिंग तत्व इसे आकर्षक और जोरदार लुक देते हैं। फ्रंट बंपर में स्पोर्टी टच देने वाला अंडर रन फीचर है। आधुनिक और प्रीमियम एस्थेटिक को पूरा करने के लिए शार्प स्वेप्ट-बैक एलईडी हेडलाइट्स और एलईडी रियर कॉम्बिनेशन लैंप हैं, जो एक विशिष्ट लाइटिंग सिग्नेचर सुनिश्चित करते हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री वरिंदर वाधवा ने कहा कि टोयोटा में, हमेशा बेहतर कारें देने की हमारी प्रतिबद्धता हमारे ग्राहकों की विविध गतिशीलता आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं की गहरी समझ पर आधारित है। व्यापक बाजार अनुसंधान और उपभोक्ता अंतर्दृष्टि के माध्यम से, हम उन वाहनों की बढ़ती मांग को पहचानते हैं जो शक्ति, परिष्कार और मजबूत बहुमुखी प्रतिभा का सहज मिश्रण करते हैं। टोयोटा हाइलक्स लंबे समय से स्थायित्व और प्रदर्शन का प्रतीक रहा है और हाइलक्स ब्लैक एडिशन की शुरूआत के साथ, हम इस विरासत को और भी आगे ले जा रहे हैं। आकर्षक ऑल-ब्लैक एक्सटीरियर इसकी बोल्ड और कमांडिंग रोड प्रेजेंस को बढ़ाता है, जो एक शक्तिशाली बयान देता है जो रोमांच चाहने वालों और लाइफस्टाइल उत्साही लोगों के साथ समान रूप से प्रतिध्वनित होता है।

कष्ट निवारण फोरम की बैठक आज

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 10 मार्च। यूएचबीवीएन के अधीक्षक अभियंता मदन गोपाल जिंदल ने कहा कि बिजली संबंधी उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निवारण के लिए एससी आप्रेशन स्र्कल के चेयरमैन की अध्यक्षता में उपभोक्ता फोरम की एक बैठक 11 मार्च को होगी। उन्होंने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उपभोक्ता शिकायत फोरम की बैठक सेक्टर 88 विद्युत सदन में 11 मार्च को सुबह 10 बजे से लेकर सायं 2 बजे तक होगी। इस बैठक में बिजली सम्बन्धित वह समस्याएं सुनी जाएगी, जिनका एसडीओ सहित स्थानीय अधिकारियों से मिलने उपरांत भी कोई समाधान नहीं हो रहा है। ऐसे सभी उपभोक्ता अपनी समस्याओं को इस फोरम के समक्ष रख सकते है। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के 2 वर्ष से पहले के केस बिजली चोरी संबंधी मुकद्दमें कोर्ट में लम्बित है, सुनवाई दरबार में नहीं होगी। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि फोरम के समक्ष निर्धारित समय तक सेक्टर 8 विद्युत सदन में पहुंचकर बिजली संबंधी समस्याओं का शीघ्र निवारण करवाएं।

धार्मिक आयोजन व मेला उत्सव हमारी संस्कृति व परंपरा से जुड़े हुए हैं: श्री महंत

जब भी देश पर संकट आया तो संत महात्माओं का तप व त्याग भी सर्वोपरि रहा है: डॉ. अशोक गिरी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। जिले के गांव बडाला में बाबा हरिहर महाराज के स्मृति दिवस पर अवसर पर ग्रामवासियों ने बाबा हरिहर आश्रम मंदिर में स्वच्छ पर्यावरण व पवित्रकरण के लिए पूजा अर्चना की गई व बाबा परमहंस हरिहर जी का स्नान के साथ ही हवन यज्ञ का आयोजन किया। इस आयोजन में सभी गांव वालों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। जिसमें सुबह सूर्योदय से पूर्व ही बाबा जी का औषधियों के साथ व पंचगव्य व पंचामृत के साथ महंत महादेश गिरी जी ने दिव्य स्नान कराया। स्नान के पश्चात महंत महादेश गिरी महाराज ने समस्त ग्राम की शांति व उन्नति के पावन निर्मल संकल्प के साथ श्री गणेशांबिका, वरुण देवता, श्रीआदि सप्तघृत मातृका, षोडश मातृकाएं सहित भगवती श्री महाकाली महालक्ष्मी व महासरस्वती त्रिगुणात्मिका दुर्गा देवी का यज्ञ प्रारंभ किया। जिसमें सभी ग्राम वासियों ने आहुति डाली। यज्ञ पूजा में काले तिल, इंद्र जौ, जटामांसी, दारूहल्दी, अगर तगर, गुगल लोबान, सुखी बेल गिरी भोजपत्र, कमलगट्टे, व लाल चंदन सामग्री शामिल रही। इसके उपरांत सबने मिलकर पूणार्हुति का पूजन अर्चन किया व इसी क्रम में यज्ञ के अंत

में सभी ने मिलकर यज्ञ में पूणार्हुति की।

इस दौरान छोटी काशी सिद्ध पीठ बाबा जाहर गिरी आश्रम से श्री महंत डॉ. अशोक गिरी महाराज ने अभिजित मुहूर्त में वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ परमहंस बाबा हरिहर महाराज जी की अखंड ज्योति प्रज्वल की व अखंड ज्योति के बाद बाबा परमहंस हरिहर का प्राचीन धुना को पुनः मंत्रों द्वारा जागृत करके चेतन किया व श्री महंत पीठाधीश्वर अशोक गिरी जी महाराज ने साधु परंपरा से धुना में उपले व भोग लगाया। जिसके बाद बाबा हरिहर जी को पुण्यतिथि का भंडारा का विशेष भोग प्रसाद का भोग बाबा को लगाया गया। भोग के बाद भंडारा शुरू हुआ जिसमें सबसे पहले संत महात्माओं ने भोग लगाया। जिसके पश्चात विप्रजनों ने भोजन किया ।

सबको भोग लगने के बाद ग्राम वासियों ने स्वयं भी प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद में हलवा, पूरी ,सब्जी, गुलदाना व उपवास का प्रसाद अलग से तैयार किया गया जिसमें गांव के सभी लोग एकजुट होकर आए गांव में मेला भी लगा। जो बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर बाबा जहर गिरी आश्रम के पीठाधीश्वर अंतर्राष्ट्रीय श्री महंत डॉ अशोक गिरि जूना अखाड़ा भगवान गिरि,बाबा कैलाश गिरि, बाबा संध्या गिरि राजस्थान,बाबा बंशी गिरि बाबा शिव भारती लुधियाना,बाबा मंगल गिरी बाबा धर्म गिरि बाबा भजन नाथ केरु मंडल,बाबा कामाख्या गिरि कामाख्या धाम से बाबा गणेश गिरि,बाबा महावीर गिरि हरिद्वार से,बाबा कार्तिक गिरि बाबा केशव गिरि बाबा राम पुरी बाबा महेश पुरी बाबा शिवा नंद सरस्वती बाबा अनुज भारती और संपूर्ण ग्राम वासी इस वार्षिक उत्सव में शामिल रहे।

गांव अलाहर में गलियों व नालियों की साफ सफाई न होने से हो रही परेशानी

ग्रामीण बोले, अधिकारियों को शिकायत के बावजुद कोई सुनवाई नहीं

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर,10 मार्च। गांव अलाहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। गलियों व नालियों की साफ सफाई काफी दिनो नहीं की गई। जिससे ग्रामीणों में पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। गांव की गलियों व नालियों की साफ सफाई न होने से सांप बिच्छु घरो में आने लगे है। जिससे हर समय उनको सांप का डर लगा रहता है। रादौर ब्लॉक का सबसे बडा.गांव हाने के बावजुद गांव में साफ-सफाई व्यवस्था जीरो है। नालियों में सफाई न होने से रूके हुए पानी में कीडे व मच्छर पैदा होने लगे है। सरपंच से कई बार

साफ सफाई करवाने की मांग की गई। लेकिन समस्या का आज तक समाधान नहीं हो पाया। गलियों में खड़े गंदे पानी से मच्छर व मक्खी पैदा हो रहे है। जिस कारण ग्रामीणों को डेंगू व चिकिन गुनिया की बीमारी का खतरा सता रहा है। ग्रामीण प्रवेश कांबोज, दिपांशु, महक, ऊषा, दिनेश, पवन, सुखबीर आदि ने बताया कि आदि ने बताया की इस बारे कई बार बीडीपीओ रादौर को लिखित शिकायत की जा चूकी है लेकिन शिकायत करने के बावजुद भी समस्या का कोई समाधान नही हो पाया। इस समस्या को लेकर ग्रमीणों में प्रशासनिक अधिकारी व गांव के मौजुदा सरपंच के प्रति गहरा रोष है। उन्होनें जिला उपायुक्त से गांव की है की इस समस्या का संज्ञान लेकर के जल्द समस्या का समाधान करवाया जाए। ग्रामीणों ने मांग की कि पंचायत की ओर से उनकी गली व नाली की जल्द से जल्द सफाई करवाई जाये।

> इस समस्या को लेकर मैने गांव के सफाई कर्मचारी को नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दे दि गए है, इस बारे वह उच्च अधिकारियों से मिलकर के गांव में सफाई कर्मचारियों का सख्या बढाई जाएगी। जल्द इस समस्या को दुर करवा दिया जाएगा।
> **रजत कांबोज,सरपंच**

बिना ई-रवाना के पिछले तीन माह में पकड़े गए 12 वाहन: उपायुक्त महावीर कौशिक

तीन महीनों में पकड़े गए वाहनों में से एक से जुमार्ने के रूप में वसूली गई दो लाख 10 हजार रूपए की राशि

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा है कि जिला में अवैध खनन पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए जिला टास्क फोर्स से जुड़ी टीमें दिन रात चेकिंग व निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन को लेकर सरकार गंभीर है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडूरंग के स्पष्ट निर्देश है कि अगर कोई व्यक्ति अवैध खनन में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही लाजमी है।

महावीर कौशिक ने कहा कि जिले में अवैध खनन करने वालो की कमर तोड? के लिए खनन विभाग और इन्फोर्समेंट विभाग दिन रात एक किये हुये हैं। उन्होंने बताया कि आज खनन विभाग की टीम द्वारा लोहारू और तोशाम क्षेत्र में खनन वाहनों की चेकिंग की गई। वाहनों के ई-रवाना बिल चैक किए गए। खनन अधिकारी ने बताया कि सोमवार को टीम द्वारा दो दर्जन से भी अधिक खनन वाहनों की चेकिंग की गई। जांच के दौरान कोई भी अनियमितता नहीं पाई गई। उन्होंने कहा कि टीम द्वारा उपायुक्त महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में दिन रात चैकिंग की जा रही है। मकसद यही है कि जिले में कोई भी व्यक्ति अवैध खनन करने का साहस न जुटा सकें।

महावीर कौशिक ने कहा कि जो लोग अवैध खनन करने का प्रयास करते है, उनके वाहनों को जब्त कर नियम के अनुसार भारी भरकम जुमार्ना लगाया जाता है। जिला खनन अधिकारी पंकज ने बताया कि वर्ष 2024 में अवैध खनन में लिप्त 15 वाहनों को जब्त किया गया, जबकि 2025 में अब तक 12 वाहनों को पकड़ा गया है। पकड़े गए वाहनों के पास ई-रवाना बिल नहीं थे। वर्ष 2025 में पकड़े गए वाहनों में से एक वाहन मालिक से जुमार्ने के रूप में दो लाख 10 हजार रूपए की राशि विभाग द्वारा वसूली जा चुकी है। जिला उपायुक्त महावीर कौशिक की देखरेख में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग है और ऐसे लोगों पर कड़ी नजर बनाए हुए है और अवैध खनन किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा।

समस्याओं का समाधान होने पर डीसी का जताया आभार

सेक्टर 13 व 23 की समस्याओं का हुआ समाधान

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 10 मार्च। समस्याओं का समाधान करने पर दा भिवानी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन भिवानी के पदाधिकारी ने उपायुक्त महावीर कौशिक आभार व्यक्त किया है। एसोसिएशन के पदाधिकारी आज अध्यक्ष रामकिशन शर्मा के नेतृत्व में उपायुक्त महावीर कौशिक से मिले और समस्याओं का समाधान करने पर उनका आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि कुछ समय पूर्व एसोसिएशन की ओर से उपायुक्त को एक मांग पत्र सौंपा गया था। इस मांग पत्र पर उपायुक्त महोदय द्वारा तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई को लेकर एसोसिएशन पूरी तरह से संतुष्ट है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि सेक्टर 13 में 23 में उनकी मांग के अनुसार सडक निर्माण कार्य शुरू हो गया है। बरसात के पानी की निकासी के लिए नालों की सफाई की जा रही है। टेलीफोन एक्सचेंज की लगभग 2000 गज भूमि से कूड़ा करकट हटवा दिया गया है।

इसके अलावा 90 प्रतिशत सेक्टर वासियों को बढ़ोतरी की राशि मिल चुकी है। शेष को राशि मिलने की कार्रवाई लगातार जारी है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने खुशी स्वरूप पुष्प गुच्छ भेंट करके उपायुक्त महावीर कौशिक का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एसोसिएशन से राम किशन शर्मा, सत्यवीर कौशिक, ओम प्रकाश दिनोद, सुरेश कुमार, आरएस परमार, डॉ. फूल सिंह, तारा चंद, देवराज वैद्य, जीवन दास खट्टर, कुलदीप यादव, कमल नैन, बीएल शर्म, आरके सिंह, राज पाल मान, राकेश सेठी, रामधन जांगडा, सुरेश कटारिया व रमेश जैन मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी पद्मश्री प्रोफेसर हरमहेंद्र सिंह बेदी को सम्मानित

ज्ञान रत्न पुरस्कार से होंगे सम्मानित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

चंडीगढ़, 10 मार्च। हिंदी साहित्य जगत के सुचर्चित साहित्यकार पद्मश्री प्रोफेसर हरमिंदर सिंह बेदी को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा ज्ञान रत्न पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। पद्मश्री प्रोफेसर हरमहेंद्र सिंह आजकल केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश में

कुलाधिपति हैं। वे भारत सरकार के प्रसार भारती मंत्रालय के हिंदी के सलाहकार सदस्य भी हैं। बेदी इससे पूर्व भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय हिंदी सेवी पुरस्कार, पद्मश्री एवं राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। पंजाब सरकार ने भी शिरोमणि हिंदी साहित्यकार के सम्मान से अलंकृत किया है। पद्मश्री प्रोफेसर हरमिंदर सिंह बेदी ने हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी में 35 ग्रंथों की रचना की है।

जिला में दो स्थानों से बाइक चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। जिला में अलग-अलग स्थानों से चोर दो बाइक चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में गांव जोधकां निवासी रूलीराम ने बतया कि बीती 6 मार्च को वह डिंग मंडी किसी काम से गया था। वह शादियों में ढोल बजाने का काम करता है। बीती 8 मार्च को वह बाइक घर ले आया था। रात्रि को चोर घर से बाइक चोरी कर ले गए। सुबह उन्हें घटना का पता चला। दूसरे मामले में गांव कंगनपुर निवासी बलविंद्र सिंह अपने बेटे को गुरुनानक नगर में ट्यूशन छोडने के लिए गया था। बाइक बाहर खड़ी कर वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली।

जेनसोल इंजीनियरिंग प्रमोटर ने 29 करोड़ रुपये के इक्विटी इन्फ्यूजन के साथ अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की, ऋण कम करने के लिए बड़ा कदम

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

चंडीगढ़, 10 मार्च। सौर ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। कंपनी का राजस्व 63 करोड़ (F21) से बढ़कर 1,385 करोड़ (F25) हो गया है, लेकिन हाल ही में नकदी प्रवाह में समस्या के कारण क्रेडिट रेटिंग में गिरावट आई। जेनसोल इंजीनियरिंग की मजबूती की दिशा में बड़े फैसलेः कर्ज में कमीः कंपनी 2,997 इलेक्ट्रिक वाहनों को 315 करोड़ में और एक सहायक कंपनी को 350 करोड़ में बेचकर 665 करोड़ का कर्ज कम करेगी। इससे कंपनी का ऋण-इक्विटी अनुपात 0.8 हो जाएगा। प्रमोटरों का भरोसाः प्रमोटरों ने 871 प्रति शेयर पर कंपनी में दोबारा निवेश किया और 2.37% हिस्सेदारी (9 लाख शेयर) बेचकर नकदी बढ़ाने का फैसला किया। मजबूत भविष्यः कंपनी के पास 7,000 करोड़ का ऑर्डर बुक है, जो भविष्य में अच्छा व्यापार दशार्ता है। बोर्ड बैठक (13 मार्च 2025): इसमें नए फंड जुटाने और 1:10 स्टॉक स्प्लिट पर चर्चा होगी, जिससे निवेशकों को फायदा होगा। 2012 में स्थापित, जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक अग्रणी खिलाड़ी है, जो सौर ऊर्जा इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (एढउ) सेवाओं और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों में विशेषज्ञता रखता है। जेनसोल में 500 से अधिक पेशेवरों की एक अनुभवी और विविध टीम है, जो सौर (जेनसोल सोलर EPC (भारत और मध्य पूर्व) और स्कॉर्पियस ट्रैकर्स), EV लीजिंग (**लेट्स** EV) और EV निर्माण (जेनसोल EV) में कार्यरत हैं। जेनसोल सोलर EPC, भारत में शीर्ष 10 EPC खिलाड़ियों में से एक है, और स्वतंत्र EPC खिलाड़ियों के मामले में शीर्ष 5 में शामिल है, ने भारत भर में 770 MW से अधिक विविध सौर परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिसमें छत, ग्राउंड माउंट और फ्लोटिंग सौर स्थापनाएं शामिल हैं। सितंबर 2023 में, जेनसोल ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी पेशकशों को बढ़ाने के लिए स्कॉर्पियस ट्रैकर्स, एक अभिनव और विश्व स्तरीय बैंकेबल सिंगल-एक्सिस सौर ट्रैकिंग समाधान प्रदाता, का अधिग्रहण किया। कंपनी बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (इएरर) और ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन बुनियादी ढांचे के विकास में भी लगी हुई है। नवीकरणीय ऊर्जा से परे, जेनसोल बड़े पैमाने पर गतिशीलता को डीकाबोर्नाइज करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। इसने चाकन, पुणे (भारत) में एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (EV) निर्माण सुविधा स्थापित की है। यह व्यापक EV लीजिंग समाधान भी प्रदान करता है, जो PSUs, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी संस्थाओं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, राइड-हेलिंग सेवाओं, कर्मचारी परिवहन कंपनियों, किराया सेवाओं, लॉजिस्टिक्स और लास्ट-माइल डिलीवरी उद्यमों सहित विविध ग्राहकों को पूरा करता है।

नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाला आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। हरियाणा कौशल रोजगार विभाग में नौकरी दिलवाने के नाम पर 65 हजार रुपए की ठगी करने के मामले का आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सत्यवान ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सतीश कुमार उर्फ लवली पुत्र प्रेम दास निवासी गांव अहमदपुर जिला सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि राहुल कुमार निवासी गांव धमोरा थेड़ी तहसील रानियां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब दो माह पहले उसके पास अज्ञात नंबरों से फोन आया और फोन करने वाला व्यक्ति कहने लगा कि मैं बिजली निगम में जेई के पद पर कार्यरत हूं तथा निगम में उसकी बड़े अफसरों के साथ अच्छी पहचान है। मैं आपको हरियाणा कौशल रोजगार निगम में कंम्प्यूटर ऑपरेटर की नौकरी दिलवा दूंगा। इस पर पीड़ित ने उसके झांसे में आकर 65 हजार रुपए की राशि उसके खाते में ट्रांसफर कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि इस तरह से आरोपी ने नौकरी लगवाने के नाम पर पीड़ित से 65 हजार रुपए ऐंठ लिए थे और हरियाणा कौशल रोजगार विभाग में नौकरी दिलवाने का झांसा देता रहा। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना शहर सिरसा में ठगी का मामला दर्जकर जांच शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाकर आरोपी सतीश कुमार को काबूकर उसकी निशानदेही पर 10 हजार रुपए की ठगी की राशि बरामद कर ली गई है। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ करने पर एक अन्य आरोपी की भी पहचान हुई है, जिसे शीघ्र ही गिरफ्तार कर बाकी बची ठगी की राशि बरामद की जाएगी।

यातायात नियमों का पालन न करने पर लघु सचिवालय में किए गए 15 चालान

सभी आमजन करें यातायात नियमों का दृढ़ता से पालन : डीसी प्रीति

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 10 मार्च। लघु सचिवालय में यातायात नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ डीसी प्रीति के आदेशानुसार पुलिस विभाग द्वारा सोमवार को 15 चालान किए। लगभग सभी चालान बिना हेलमेट वालों के थे। सुबह से सायं तक पुलिस बल की तैनाती है, ताकि यातायात नियमों का सख्ती से पालन किया जा सके। डीसी प्रीति ने कहा कि सड़क सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है और सभी को यातायात के नियमों का दृढ़ता से पालन करना चाहिए। इसकी पहल सबसे पहले लघु सचिवालय से की है,ताकि सभी अधिकारी, कर्मचारी तथा यहां आने वाले सभी आमजन यातायात नियमों का पालन करें। नियमों में यदि कोई भी लापरवाही बरतेगा तो उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि चालक सड़क संकेतों व गति सीमा का पालन करें। ओवर टेकिंग सावधानी से करें। सुरक्षा उपकरण जैसेकी दुपहिया वाहन चलाते हुए हेलमेट व कार चलाते समय सीट बैल्ट का उपयोग करें। नशे में वाहन न चलाएं। गाड़ी चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें। वाहन के दस्तावेज जैसे ड्राईविंगलाईसेंस, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस और प्रदूषण सर्टिफिकेट साथ रखें।

युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। गांव धनूर से एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में परिजनों ने बताया कि बीती 7 मार्च की दोपहर को उनकी बेटी किसी काम से घर से गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

कल होगा लोहारू शहर की चौधर का फैसला, मतगणना केंद्र में कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम में कैद है 53 उम्मीदवारों की किस्मत

बुधवार को होगी नगर पालिका लोहारू के वार्ड पार्षदों तथा चेयरमैन के लिए मतगणना

अमित वालिया,लोहारू

गत 2 मार्च को हुए लोहारू नगरपालिका चुनाव के फैसले की घड़ी आ गई है। बुधवार 12 मार्च को नपा चुनाव के दौरान डाले गए मतों की गिनती के साथ ही शहर की नई सरकार का चयन हो जाएगा। प्रशासन द्वारा स्थानीय राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में नपा चुनाव की मतगणना करवाई जाएगी, इसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। बुधवार को मतगणना के साथ ही नपा चेयरमैन के लिए 17 उम्मीदवारों व 13 वार्डों के लिए 36 उम्मीदवारों में से किसकी लॉटरी लगेगी तथा नगर के मुखिया का ताज किसके सिर पर सजेगा, यह तय हो जाएगा। ध्यान रहे कि गत 2 मार्च को हुए नपा चेयरमैन व 13 वार्ड पार्षद के चुनाव के लिए कुल 8782 मतदाताओं ने 53 उम्मीदवारों का भाग्य तय किया है। एक वार्ड पार्षद का चुनाव निर्विरोध हो चुका है। बुधवार को होने वाली मतगणना के बाद किसकी लॉटरी लगेगी तथा नगर के मुखिया का ताज किसके सिर पर सजेगा, यह तय हो जाएगा। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मनोज दलाल ने मतगणना से जुड़े अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पालिका लोहारू की मतगणना 12 मार्च को रानी झांसी लक्ष्मी बाई राजकीय बहुतकनीकी संस्थान

लोहारू में होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी मतगणना के कार्य को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने ईवीएम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और मतगणना के दौरान पेपर वर्क से संबंधित जानकारी देकर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने बताया कि 12 मार्च को सुबह 8 बजे से रानी झांसी लक्ष्मीबाई राजकीय बहुतकनीकी संस्थान लोहारू में मतों की गणना का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान टेबल पर तीन अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम बनाई गई है। उन्होंने ड्यूटी से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को अवगत कराया कि मतगणना के लिए राउंड वाइज मशीन टेबल पर आएंगी। इन मशीनों का कंट्रोल यूनिट के नंबर के साथ मिलान करना सुनिश्चित करें तथा इस बारे उम्मीदवार के एजेंट को भी दिखाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान ड्यूटी से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को मोबाइल फोन, घड़ी, बेल्ट, अंगूठी, पैन इत्यादि ले जाने पर पूर्णरूप से पाबंदी रहेगी। उन्होंने कहा कि मतगणना का कार्य बेहद ही महत्वपूर्ण होता है, इसलिए संबंधित अधिकारी व कर्मचारी इस प्रशिक्षण में प्रत्येक पहलू की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने मतगणना के समय जमा करवाए जाने वाले प्रपत्रों की भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 12 मार्च को होने वाली लोहारू नगरपालिका के मतगणना को लेकर 7 टेबल लगाई गई है। सभी टेबलों पर चुनाव से जुड़ी सामग्री अकाउंटिंग टीम को वितरित करवाई जाएगी और 2, 2 राउंडों में मतों की गणना का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

जिंदल स्टेनलेस ने जारी की प्रकृति से संबंधित वित्तीय प्रकटीकरण कार्य बल रिपोर्ट

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 10 मार्च। भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील निमार्ता कंपनी जिंदल स्टेनलेस ने नेचर-रिलेटिड फाइनेंशियल डिस्क्लोजर (टीएनएफडी) टास्क फोर्स रिपोर्ट जारी की, जो कंपनी के वहनीयता के दृष्टिकोण के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह रिपोर्ट कारोबार में प्रकृति से संबंधित पहलुओं का खास ध्यान रखने के कंपनी के रणनीतिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। साथ ही यह विकास और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखते हुए जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वैश्विक चुनौती से निपटने और वहनीयता, जैव विविधता के संरक्षण व जोखिम से सक्रिय रूप से निपटने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

टीएनएफडी रिपोर्ट सभी तरह के कामकाज में प्रकृति पर केंद्रित रणनीतियों को अपनाने की जिंदल स्टेनलेस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों (आईएफआरएस) और वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (जीबीएफ) जैसे वैश्विक मानकों के अनुरूप है। टीएनएफडी रिपोर्ट का उद्देश्य व्यावसायिक अनुकूलन और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना, प्रकृति से संबंधित जोखिमों की पहचान करना, उनका आकलन करना और उन्हें दूर करना है। जिंदल स्टेनलेस टीएनएफडी फ्रेमवर्क को शुरूआत में ही अपनाने वाली कंपनी है। कंपनी ने प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता कम करने और जैव विविधता संरक्षण के लिए अभिनव व पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाकर धातु क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है।

जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के मुख्य वहनीयता अधिकारी श्री कल्याण भट्टाचार्य ने टीएनएफडी रिपोर्ट जारी होने के अवसर पर कहा कि जेएसएल में हमारा मानना है कि वास्तविक प्रगति विकास और जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन बनाने से हासिल होती है। यह रिपोर्ट हमारे हर काम में प्रकृति पर खासतौर पर ध्यान केंद्रित करने की हमारी प्रतिबद्धता दशार्ती है। हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हमारे कार्य कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क जैसे वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप हों। जेएसएल टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाने वाली शुरूआती कंपनियों में शामिल है और इसे भारत के धातु क्षेत्र में अग्रणी होने पर गर्व है। यह पारदर्शिता, विचारशील योजना के कार्यान्वयन, प्रकृति से संबंधित जोखिमों से निपटने और अवसरों का लाभ उठाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हमारी टीएनएफडी रिपोर्ट में - हमारे कर्मचारियों, साझेदारों, लोगों और निवेशकों - सभी से एक ऐसा भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया गया है, जहां आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण की देखभाल भी हो।

राजा बलि ने भगवान वामन को दी तीन पग भूमि

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 10 मार्च। श्री गो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित सेक्टर 29 जिंदल ग्लोबल सिटी में चल रही श्रीमद भागवत कथा में भागवत प्रवक्ता कथावाचक अनिल शास्त्री ने उपस्थित श्रोताओं को बताया कि बलि की वजह से सभी देवता बहुत दुखी थे। दुखी देवता अपनी माता अदिति के पास पहुंचे और अपनी समस्या बताई। इसके बाद अदिति ने पति कश्यप ऋषि के कहने पर एक व्रत किया, जिसके शुभ फल से भगवान विष्णु ने वामन देव के रूप में जन्म लिया। वामन देव ने छोटी उम्र में ही दैत्यराज बलि को पराजित कर दिया था। बलि अहंकारी था, उसे लगता था कि वह सबसे बड़ा दानी है। विष्णु जी वामन देव के रूप में उसके पास पहुंचे और दान में तीन पग धरती मांगी। अहंकार बलि ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। मेरा तो पूरी धरती पर अधिकार है, मैं इसे तीन पग भूमि दान कर देता हूं। बलि वामन देव को तीन पग भूमि दान देने के लिए संकल्प कर रहे थे, उस समय शुक्राचार्य ने उसे रोकने की कोशिश की। दरअसल, शुक्राचार्य जान गए थे कि वामन के रूप में स्वयं भगवान विष्णु हैं।शुक्राचार्य ने बलि को समझाया कि ये छोटा बच्चा नहीं है, ये स्वयं विष्णु हैं, ये तुम्हें ठगने आए हैं। तुम इन्हें दान मत दो। ये बात सुनकर बलि बोला कि अगर ये भगवान हैं और मेरे द्वार पर दान मांगने आए हैं तो भी मैं इन्हें मना नहीं कर सकता हूं। इस अवसर पर आचार्य रंगनाथ शास्त्री, प्रधान मनमोहन छतवाल, पवन छाबड़ा, सुरेंद्र मनीयानी, डॉ. अश्विनी मित्तल, डॉ. मंजू बाला शर्मा,पंडित विजय शर्मा, डॉ बलभद्र कौशिक, ललित चुटानी, बलराज शर्मा, ऋषि शर्मा, कवर जीत सिंह,रजनी छतवाल, अल्का, सिजा, अर्चना, मीनाक्षी, निर्मला, रजनी शर्मा, रीना चौधरी, रमेश एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

महिलाओं को उनके अधिकारों व कर्तव्यों से करवाया अवगत

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा। सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने ठाकुरद्वारा मंदिर शाहबाद में समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि ईशा अगवाल और डिंपल अरोड़ा मौजूद रही। विशिष्ठ अतिथि के तौर पर कविता सिंगला व दीपा सिंगला ने शिरकत की। दीप प्रज्जवलित संरक्षक शाम लाल पोपली, संरक्षक मदन लाल कथूरिया, प्रधान राजेश सिंगला, उप प्रधान रणबीर वर्मा, सचिव नरेश शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र ने किया। मंच संचालन कुमारी सविता मदान ने किया। मुख्य वक्ता सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष कर्मवीर सैनी, संरक्षक नरेश सैनी, सरपंच रणबीर, देवेंद्र सिंगला, आशु कथूरिया, इंद्र मोहन, गुल्लू शर्मा, कांता, हर्षा, पूनम, नेहा, मीडिया प्रभारी पीयूष राव मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ईशा अग्रवाल ने महिलाओं को उनके अधिकारों व कर्तव्यों से अवगत करवाया व चुनौतियों को स्वीकार करने की प्रेरणा दी। संस्था के प्रधान राजेश सिंगला ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के अंत में फूलों की होली खेली गई।

पवित्र सरस्वती नदी के किनारे से मीट की दुकानें हटवाने के दिए आदेश

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 10 मार्च। पिपली से ज्योतिसर तक पवित्र सरस्वती नदी के किनारे से मीट की दुकानों को हटाने के आदेश जारी किए गए है। इन आदेशों के तहत मीट की दुकानों को हटाने और अन्य अतिक्रमण की कार्रवाई करने के लिए बकायदा डयूटी मैजिस्ट्रेट भी नियुक्त किया गया है। जिलाधीश एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने सोमवार को जारी आदेशों में कहा है कि प्रशासन के पास लगातार सूचनाएं और शिकायत मिल रही है कि पिपली से ज्योतिसर तक पवित्र सरस्वती नदी के किनारे मीट की दुकाने चल रही है और इससे ना केवल अतिक्रमण हो रहा है अपितु पवित्र सरस्वती नदी की पवित्रता भी भंग हो रही है। इन तमाम तथ्यों को जहन में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 16(1) व धारा 17(2) आदेश जारी किए गए है कि वाटर सर्विस डिविजन ज्योतिसर कुरुक्षेत्र के एसडीओ राकेश काम्बोज को डयूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। जिलाधीश ने जारी आदेशों में कहा है कि डयूटी मैजिस्ट्रेट एसडीओ राकेश काम्बोज पवित्र नदी के किनारे जब मीट की दुकानों को हटाने की कार्रवाई करेंगे तो कानून व्यवस्था को बनाए रखना होगा। इसके लिए सम्बन्धित अधिकारी पुलिस प्रशासन की भी सहायता ले सकता है। उन्होंने कहा कि डयूटी मैजिस्ट्रेट नियमों के अनुसार जरूरी कार्रवाई करने के उपरांत जिलाधीश कार्यालय में रिपोर्ट भेजेंगें।

गांवों तक ही सीमित होकर रह गई देवर-भाभी के रिश्तो की मिठास का प्रतीक होली

अब नहीं सुनाई देते फाल्गुन के गीत, गायब होती जा रही डफ की सुरीली आवाज

अमित वालिया,लोहारू

फाल्गुन माह का रंगों का प्रसिद्ध त्योहार भी आधुनिकता के प्रभाव में रंगने लगा है। समाज में बढ़ते अलगाववाद तथा लोगों के केवल खुद तक सीमित हो जाने के कारण पर्व केवल धार्मिक पर्व बनकर रह गया है। परिवार में देवर-भाभी के रिश्ते की मिठास घोलने वाले पर्व के प्रति अब न लोगों में उत्साह दिखाई देता है न ही पर्व को लेकर एक माह पहले शुरू होने वाली चहल पहल कहीं दिखाई देती है। गांवों में कहीं कहीं डफ की आवाज सुनने को मिलती है जबकि शहरों से तो यह गायब ही हो गई है। होली पर्व पर गांवों व कस्बों में अब त्योहार के प्रति युवा वर्ग में थोड़ा बहुत उत्साह देखने को मिल रहा है। हालांकि यह बात और है कि प्राचीन समय की तुलना में होली के पर्व को लेकर उत्साह कम ही देखने को मिलता है तथा पहले एक माह पूर्व ही शुरू होने वाली उछल-कूद व मस्ती दूर-दूर तक कहीं भी नजर नहीं आती। ना होली व ढ़ाप की राग सुनाई देती है न ही होली के मस्ती भरे गीत। देवर-भाभी के रिश्तों की मिसाल देती होली तो अब केवल गांवों तक ही सीमित होकर रह गई है। वहीं होली पर्व को देखते हुए युवा वर्ग नए व महंगे कपड़ों से तौबा कर रहा है। संदूकों व अलमारियों में बंद पुराने कपड़े बाहर आ गए है। युवा वर्ग कुर्ता-पायजामा या फिर जींस टी-शर्ट को महत्व दे रहा है, जबकि होली के दिन कुछ लोग टोपी में भी नजर आएंगे। गुलाल व रंगों के कारण लोगों के कपड़े, बाल व चेहरा आदि खराब न हो, इसका भी ध्यान रखा जाता है। इससे बचने के लिए लोग अभी से इंतजाम करने लगे हैं। होली के दिन रंगों से कपड़े खराब न हो और त्वचा को भी कोई नुकसान न पहुंचे, इसके लिए लोग अब सजग होने लगे हैं। पहले होली पर पानी व पक्के रंगों का ज्यादा प्रयोग किया जाता था, लेकिन अब लोगों की सोच बदलने लगी है। लोग अब गुलाल या फिर टीका लगाकर होली मनाने में ज्यादा विश्वास रखते हैं। रंगों से बचने के लिए लोगों के लिए खास कपड़े भी बाजार में आ गए हैं।

होली पर्व पर बाजारों में दुकानें सजनी शुरू हो गई है। बच्चों में उत्साह है।

युवाओं द्वारा कुर्ता-पायजामा की ज्यादा खरीद होती है। कुर्ता-पायजामा का रंग भी गुलाबी व हल्का पीला आदि ही पसंद किया जाता है, क्योंकि इसमें डाला गया गुलाल कम ही नजर आता है। बुजुर्ग व युवा दोनों ही कुर्ता-पायजामा पहनना ज्यादा पसंद करते हैं। इनके अलावा युवा वर्ग जींस व टी-शर्ट भी पहनना पसंद करते हैं।

टोपी व मास्क की भी होती है मांग:-

रंगों से बाल व चेहरा खराब न हो, इसलिए टोपी व मास्क आदि की मांग भी इन दिनों बढ़ जाती है। रंग-गुलाल का कारोबार करने वाले महेंद्र सिंह ने बताया कि लोग मास्क से ज्यादा टोपी को अहमियत देते है। होली पर टोपी लगाना लोग ज्यादा पसंद करते हैं। युवाओं सुनील सैनी, सुरेश कुमार, अशोक आदि ने बताया कि होली पर वे पूरी मस्ती करने के मूड में हैं। वे इको-फ्रेंडली होली खेलना पसंद करेंगे। इसके लिए वे प्राकृतिक रंगों व पानी रहित होली खेलेंगे। वे अपने परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों तथा मित्रों के साथ होली खेलेंगे। इस दिन पहने जाने वाले कपड़ों के लिए भी उन्होंने तैयारी कर रखी है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने हाईलक्स ब्लैक एडिशन - पेश किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

अंबाला/कुरुक्षेत्र, 10 मार्च। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत में एक नई हाईलक्स ब्लैक एडिशन पेश करने की घोषणा की। यह बेहतरीन लाइफस्टाइल वाला ऐसा यूटिलिटी वाहन है जो कठिन इलाकों में ऑफ-रोडिंग एडवेंचर ड्राइव और शहर में रोजाना इस्तेमाल के लिए सबसे उपयुक्त वाहन की तलाश करने वाले ग्राहकों की चाहत पूरी कर सकता है। ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया, नया हाईलक्स ब्लैक एडिशन अपनी शानदार मजबूती, शक्ति और प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए आक्रामक और परिष्कृत ऑल-ब्लैक थीम प्रदान करने का लक्ष्य रखता है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री वरिंदर वाधवा ने कहा, "टोयोटा में, हमेशा बेहतर कारें देने की हमारी प्रतिबद्धता हमारे ग्राहकों की विविध गतिशीलता आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं की गहरी समझ पर आधारित है। व्यापक बाजार अनुसंधान और उपभोक्ता अंतर्दृष्टि के माध्यम से, हम उन वाहनों की बढ़ती मांग को पहचानते हैं जो शक्ति, परिष्कार और मजबूत बहुमुखी प्रतिभा का सहज मिश्रण करते हैं। टोयोटा हाइलक्स लंबे समय से स्थायित्व और प्रदर्शन का प्रतीक रहा है और हाइलक्स ब्लैक एडिशन की शुरूआत के साथ, हम इस विरासत को और भी आगे ले जा रहे हैं। आकर्षक ऑल-ब्लैक एक्सटीरियर इसकी बोल्ड और कमांडिंग रोड प्रेजेंस को बढ़ाता है, जो एक शक्तिशाली बयान देता है जो रोमांच चाहने वालों और लाइफस्टाइल उत्साही लोगों के साथ समान रूप से प्रतिध्वनित होता है।

हाईलक्स ब्लैक एडिशन के दिल में 2.8 लीटर फोर-सिलेंडर टर्बो-डीजल इंजन है, जो 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन (500 एनएम टॉर्क) के साथ उपलब्ध है। इसका 44 ड्राइवट्रेन एक सहज ऑफ-रोड अनुभव सुनिश्चित करता है, जो इसे प्रदर्शन, शक्ति और परिष्कृतता का सही संयोजन बनाता है। टोयोटा की विश्व स्तरीय इंजीनियरिंग, उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ और सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास आराम हाईलक्स ब्लैक एडिशन को अपने सेगमेंट में एक स्टैंडआउट बनाते हैं, जो सेगमेंट-लीडिंग 500 एनएम टॉर्क, एक अभिनव बहुउद्देश्यीय वाहन (आईएमवी) प्लेटफॉर्म और एक असाधारण 700 मिमी पानी में उतरने की क्षमता प्रदान करता है।

हाईलक्स ब्लैक एडिशन में बिल्कुल नया ब्लैक थीम वाला एक्सटीरियर है, जो इसे सड़क पर एक प्रभावशाली उपस्थिति देता है। प्रमुख डिजाइन संवर्द्धन में ब्लैक रंग का फ्रंट रेडिएटर ग्रिल, मस्कुलर बोनट लाइन और कस्टमाइज्ड हब कैप के साथ 18 इंच के ब्लैक अलॉय व्हील शामिल हैं। ब्लैक ओआरवीएम कवर, डोर हैंडल, फेंडर गार्निश और फ्यूल लिड गार्निश जैसे अतिरिक्त स्टाइलिंग तत्व इसे आकर्षक और जोरदार लुक देते हैं। फ्रंट बंपर में स्पोर्टी टच देने वाला अंडर रन फीचर है। आधुनिक और प्रीमियम एस्थेटिक को पूरा करने के लिए शार्प स्वेप्ट-बैक एलईडी हेडलाइट्स और एलईडी रियर कॉम्बिनेशन लैंप हैं, जो एक विशिष्ट लाइटिंग सिग्नेचर सुनिश्चित करते हैं।

गुरुद्वारा नानकसर साहिब में 49वां सालाना गुरमति समागम समारोह संपन्न

रागी जत्थों ने कीर्तन दरबान सजा संगतों को किया निहाल

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 10 मार्च। सैक्टर 28 स्थित गुरुद्वारा नानकसर साहिब में 49वां सालाना गुरमति समागम समारोह श्रद्धाभाव और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। गुरुद्वारा साहिब में अल सुबह से ही संगत का आना आरंभ हो गया था, कीर्तन दरबार व दीवान सजे हुए थे। जिसमें देश के अलग-अलग राज्यों से आए रागी जत्थो ने संगत को गुरबाणी और शब्दों से निहाल किया। अमृतसर से विशेष रूप से आये रागी बलविंदर सिंह लपोके, भाई बलजीत सिंह चंडीगढ़ वाले, भाई मनप्रीत सिंह जगाधरी, गुरचरण सिंह रसिया लुधियाना, करनैल सिंह गरीब अंबाला ओर जगराओ से आए बाबा लक्खा सिंह ने श्रोताओं को शब्दों और गुरबाणी का महत्व समझाते हुए पंथ की राह पर चलने की अपील की। प्रत्येक साल की तरह इस साल भी रक्तदान शिविर का आयोजन सेक्टर 16 अस्पताल की टीम द्वारा सरदार हरपाल सिंह की मदद से किया गया था। रक्त दाताओं ने शिविर में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और 40 के लगभग यूनिट इकट्ठे हुए। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब में माथा टेका, विश्व शांति और मानव कल्याण की बात करते हुए यूक्रेन रूस के मध्य चल रहे युद्ध से छुटकारा पाने की भी अरदास की।

गौरतलब है कि सुबह से ही चाय, पकौड़े, बिस्कुट और लस्सी का लंगर चल रहा था। कुछ लोगों ने फल और आइसक्रीम भी बांटी। जबकि दोपहर में संगत के लिए लंगर का भी प्रबंध किया गया था। नानकसर गुरुद्वारा के बारे में एक बात मशहूर है कि "पकता नहीं है लंगर फिर भी छकती है संगत" डेरा प्रमुख बाबा गुरदेव सिंह, बाबा लक्खा सिंह और गुरुद्वारा साहिब के सेवादार मास्टर गुरचरण सिंह, मनजीत सिंह कलसी, हरनेक सिंह सेखों,अमर टैक्स के प्रवीण कुमार और लुधियाना से गुरप्रीत सिंह के साथ गाँव दढ़वा से सेवादार धर्मेंद्र सैनी, राकेश, यशपाल मलिक, चरणजीत सिंह,भाई सतवंत सिंह सोनू व बलजीत सिंह ने नानकसर 28 गुरुद्वारा साहिब में अपनी सेवाएं प्रदान की। डेरा प्रमुख बाबा गुरदेव सिंह ने समागम के सफलतापूर्वक समापन पर सारी संगत का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वह अगले वर्ष के लिए सारी संगत को आमंत्रित करते हैं।

गांव हरियापुर में नवीन संकल्प शिविर का किया आयोजन

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 10 मार्च। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा थानेसर हल्के के गांव हरियापुर में आयोजित नवीन संकल्प शिविर में ग्रामीणों ने दी जा रही सुविधाओं का लाभ लिया। इस संकल्प शिविर में पेंशन,आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र और राशन कार्ड संबंधित मुद्दों का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर आरंभ किए गए नवीन संकल्प शिविरों में विशेष रूप से मोबाइल मेडिकल यूनिट भी चलाई जा रही है, जिसमें मुफ्त दवाइयां, चिकित्सा परामर्श और टेस्ट की सुविधाएं दी जाती है। कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में गांवों के लोगों द्वारा इन सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। इन नवीन संकल्प शिविरों में सांसद नवीन जिन्दल द्वारा शुरू की गई नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के बारे में भी जानकारी दी जाती है ताकि जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति के माध्यम से आर्थिक सहयोग मिल सके। उन्होंने बताया कि आज नवीन संकल्प शिविर में 41 लोगों को परामर्श और निःशुल्क दवाईयां दी गई साथ ही 11 लोगों के युरिन और रक्त के टेस्ट भी किए गए। आज के नवीन संकल्प शिविरों में 28 लोगों की समस्याओं का समाधान व छात्रवृत्ति योजना के बारे विस्तृत जानकारी देकर लाभान्वित किया गया।

सरकारी योजनाओं को आम नागरिक तक पहुंचाने में ग्रामीण चौकीदारों की भूमिका अहम: धर्मपाल

बीडीपीओ कार्यालय में बैठक कर ग्रामीण चौकीदारों को वितरित किए कार्ड

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 10 मार्च। स्थानीय बीडीपीओ कार्यालय में सोमवार को ग्रामीण चौकीदारों व पंचायत सचिव की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ धर्मपाल ने की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण चौकीदारों को कार्ड वितरित किए। उन्होंने बताया कि हरियाणा ग्रामीण चौकीदार सरकार की अहम कड़ी से जुड़े कर्मचारी हैं जो सरकार द्वारा चलाई जा रही जा रही हर छोटी-बड़ी योजना को आम नागरिक तक मुनादी के माध्यम से अवगत करते हैं। उन्होंने कहा कि मृत्यु, व जन्म का रजिस्ट्रेशन भी चौकीदारों को करवाना है इसके लिए अब जल्द ही उनकी युनिक आईडी बनाई जाएगी और वो एक रजिस्टर लगाकर भी उसमें मेंटेन करने काम करेंगे। उन्होंने बताया कि जिस भी गांव में चौकीदार का पद रिक्त हो गया है उन गांव के सरपंच गांव में मुनादी करवा कर उन्हें भरने का काम करें। चौकीदारों को कहा कि वह अपनी ड्यूटी को पुरी निष्ठा से पालन करें। गांव में कोई भी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा तो इसकी सूचना पुलिस को दें। नशाखोरी करने वालों की सूचना पुलिस को बिजली चोरी करने वाली की सूचना बिजली विभाग को दें। पानी चोरी करने नलकूप खुला छोड़ने या पीने के पानी से सिंचाई करने वाली की सूचना भी विभागीय अधिकारियों को दें। इस अवसर पर बीडीओ धर्मपाल, सभी ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव और सरपंच मौजूद थे।

83 हजार की धोखाधड़ी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। जिला की साइबर थाना पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के मामले में संलिप्त तीन और आरोपियों को राजस्थान के जोधपुर क्षेत्र से काबू किया है।

साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनकर यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान वासुदेव पुत्र मनोज कुमार निवासी मदेरना कॉलोनी कालका मंदिर जोधपुर राजस्थान, रणजीत सिंह उर्फ प्रिंस पुत्र राम सिंह, राजपुरोहित हाऊस नंबर 117 सी नजदीक कालका मंदिर जोधपुर राजस्थान व मयूरसेन पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी देवरो की ढाणी गांव पलीना जिला फलोदी हाल मदेरना कॉलोनी जोधपुर राजस्थान के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि सुनीता रानी निवासी एडीसी कॉलोनी सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते कुछ दिन पहले उसे एक कॉल प्राप्त हुई कि आप घर बैठे वर्क फ्रॉम होम के जरिए लाखों रुपए कमा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आपको मोबाइल फोन पर आए लिंक को क्लिक करने के बाद टास्क पूरा करना होगा और टास्क पूरा होने के बाद मोटे मुनाफे का बोनस भी मिलेगा। लालच में आकर उनकी वेबसाइट पर पंजीकरण करवा लिया और एक लॉगिन आईडी बनाकर 83 हजार रुपए का इंवेस्टमेंट कर दिया और बाद में पैसा निकालने के लिए वेबसाइट पर आए लिंक को क्लिक किया तो और पैसे डालने की डिमांड की गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक उन्होंने अपनी राशि वापस निकालने का प्रयास किया तो उनकी वेबसाइट बंद हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने बीती 12 अक्तूबर 2024 को साइबर ठगी का अभियोग दर्जकर जांच शुरू की। जांच के दौरान साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की विशेष टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए घटना में संलिप्त तीन और आरोपियों को राजस्थान के जोधपुर क्षेत्र से काबू कर उनकी निशानदेही पर 8 हजार 500 रुपए व वारदात में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। गौरतलब है कि इस संबंध में पुलिस ने अनुराग निवासी वार्ड नंबर 54 शिवनगर, थाना महामंदिर,जोधपुर राजस्थान को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

होली पर्व को लेकर जिला पुलिस अलर्ट पर

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। होली के त्यौहार को लेकर जिला पुलिस ने जहां सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं, वहीं पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने जिला के सभी नागरिकों को होली के पावन पर्व पर बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना भी की है। होली के पावन पर्व को लेकर जिला पुलिस ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं, वहीं बुलेट बाइक से पटाखे छोडकर दहशत फैलाने वालों तथा तेज गति से बाइक तथा अन्य वाहन चलाकर हुड़दंगबाजी कर शांति भंग करने वालों के साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला की यातायात पुलिस सहित सभी थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। होली के पावन पर्व को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर समस्त जिला पुलिस जहां सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह अलर्ट मोड पर है, वहीं पर असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने तथा उन पर नजर रखने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है जिसके तहत जिला के सभी कस्बों, नेशनल हाईवे तथा अन्य मार्गों पर जगह-जगह नाकाबंदी कर चैकिंग अभियान चलाकर नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने होली के पर्व के मद्देनजर जिला के सभी थाना प्रभारियों को सुरक्षा की दृष्टि से कड़ी सावधानी व सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों तथा पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में नियमित गश्त के अलावा रात्रि व दिन की गश्त बढ़ाई जाए तथा संदिग्ध किस्म के लोगों पर नजर रखी जाए।

ये भी दिए गए निदेर्श:

पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि संदिग्ध मार्गों के साथ-साथ जिला के साथ लगती पंजाब व राजस्थान सीमा पर भी विशेष सावधानी व चौकसी रखी जाए तथा वहां से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति व वाहन को चेककर संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जाए। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिरसा, ऐलनाबाद, रानियां, बड़ागुढा तथा चोपटा कस्बों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में होली के पावन पर्व पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के और अधिक कड़े प्रबंध किए जाएंगे। भीड़.वाले बाजारों मे गश्त पार्टी के अलावा सादी वर्दी में भी पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा जहां महिलाओं का ज्यादा आवागमन रहेगा वहां पर महिला पुलिस के अलावा पुलिस पीसीआर,डायल-112 तथा बाइक राइडर पुलिस के जवान तैनात किए जाएंगे।

कुटिया की आड़ में अफीम की खेती करने वाला काबू- 10 किलो 200 ग्राम अफीम के हरे पौधे बरामद

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त के दौरान गांव तखतमल से तारूआना रोड पर बनी कुटिया से एक व्यक्ति को 10 किलो 200 ग्राम अफीम के हरे पौधों सहित काबू किया है।

सीआईए डबवाली प्रभारी ने बताया कि एएसआई बलवान सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गश्त के दौरान नाका तख्तमल पर मौजूद थी। इस दौरान पुलिस पार्टी को महत्वपूर्ण सूचना मिली कि आरोपी गुरतेज सिंह उर्फ पप्पी बाबा ने गांव तखतमल से तारूआना रोड पर बनी कुटिया में अफीम के पौधे उगा रखे हैं जिनकी देखभाल खुद गुरतेज सिंह उर्फ पप्पी बाबा उक्त ही करता है। इस सूचना को पाकर पुलिस पार्टी ने तखतमल से तारूआना रोड पर बनी कुटिया (भोला बाबा) में आए। कुटिया में गेहूं के खेत के साथ खाली पड़ी जगह में काफी हरे पौधे लगे हुए थे और इन पौधों में एक बुजर्ग आदमी खड़ा था और पौधों को हाथ लगाकर देख रहा था। इन पौधों को हमने गौर से देखा तो ये अफीम के पौधे थे। इन पौधों के उपर हरे रंग के डोडे व लाल-सफेद रंग के फूल भी लगे हुए थे। पौधों के बीच खड़े व्यक्ति को काबू करके राजपत्रित अधिकारी को मौका पर बुलाकर प्लाट में लगे 10 किलो 200 ग्राम अफीम के पौधे बरामद किए। आरोपी की पहचान गुरतेज सिंह उर्फ पप्पी बाबा पुत्र गुरमेल सिंह निवासी तखतमल के रूप में हुई है । उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना कालांवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने GRM ओवरसीज लिमिटेड के 10 क्लासिक चक्की फ्रेश आटा के लिए बैटर हॉफ की बैटर चॉइस कैंपेन के साथ 10 का दम दिखाया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नई दिल्ली, 10 मार्च। भारत के अग्रणी एफएमसीजी ब्रांड GRMओवरसीज लिमिटेड (GRM) ने अपने 10 क्लासिक चक्की फ्रेश आटा के लिए एक नए और प्रभावी अभियान की घोषणा की है। इस अभियान में कंपनी के हाल ही में नियुक्त ब्रांड एंबेसडर, बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की भागीदारी होगी। यह पहल भारतीय गेहूं आटा बाजार में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

GRM उपभोक्ताओं को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है, जिसमें पारंपरिक खुला आटा छोड़कर उच्च गुणवत्ता वाला, स्वच्छ और अधिक पौष्टिक ब्रांडेड पैक्ड आटा अपनाने पर जोर दिया गया है। कंपनी का उद्देश्य शुद्ध और बिना मिलावट वाला गेहूं आटा प्रदान करना है, जो उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता और पोषण का भरोसा देता है।

ऋफट ओवरसीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अतुल गर्ग ने कहा, हम 10 क्लासिक चक्की फ्रेश आटा के लिए इस महत्वाकांक्षी अभियान की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं, जिसे हमारे नए ब्रांड एंबेसडर सलमान खान का समर्थन प्राप्त है। भारत की प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों में से एक के रूप में, हम नवाचार और गुणवत्ता को उद्योग में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण तत्व मानते हैं, विशेष रूप से पैकेज्ड स्टेपल्स मार्केट में।

उन्होंने आगे कहा, इस अभियान के माध्यम से हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं को अधिक जागरूक बनाना और उन्हें बेहतर गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण युक्त ब्रांडेड पैक्ड आटा चुनने के लिए प्रेरित करना है। यह सिर्फ एक उत्पाद पेश करने का प्रयास नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवनशैली को बढ़ावा देने की पहल है जो स्वास्थ्य और भलाई को प्राथमिकता देती है।

श्री गर्ग ने यह भी कहा, हम सलमान खान के साथ इस यात्रा की शुरूआत करते हुए बेहद रोमांचित हैं। वह हमारे ब्रांड की साख, विश्वसनीयता और उत्कृष्ट गुणवत्ता के प्रतीक हैं। हमें विश्वास है कि इस अभियान के माध्यम से हमारा ब्रांड उपभोक्ताओं के बीच और अधिक लोकप्रिय होगा। भारत का पैकेज्ड आटा बाजार तेजी से बढ़ रहा है और 2030 तक 16% की CAGR से बढ़कर $197 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है। यह वृद्धि बढ़ती शहरीकरण, मध्यम वर्ग की बढ़ती संख्या और उपभोक्ताओं के बीच स्वास्थ्य व सुविधा के प्रति बढ़ती जागरूकता से प्रेरित है।

यह अभियान प्रमुख हिंदी समाचार चैनलों पर शुरू होगा और इसे प्रिंट मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म, आउटडोर विज्ञापन और सिनेमा विज्ञापनों के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाएगा, ताकि पूरे भारत में इसकी पहुंच सुनिश्चित की जा सके। ऋफट इस पहल के साथ भारतीय उपभोक्ताओं को अधिक स्वस्थ, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य विकल्प प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है।

TATA.ev भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देगा

चार्जिंग पॉइंट्स को 400,000 तक ले जानेका लक्ष्य

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नई दिल्ली, 10 मार्च। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति की अगुआई करने वाली कंपनी TATA.ev ने आज देश के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिए एक साहसिक, अभूतपूर्व पहल की घोषणा की है। 200,000 ईवी बेचने की उपलब्धि हासिल करने के बाद TATA.ev ने 2027 तक देश में उपलब्ध चार्ज पॉइंट की संख्या को दोगुना से भी ज्यादा बढ़ाकर 400,000 करने का लक्ष्य रखा है और इसके साथ ही ईवी को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती दी है। TATA.ev 2019 से ही भारत के ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने में सबसे आगे रहा है। TATA.ev ने पहले टाटा समूह की कंपनियों के साथ साझेदारी कर निजी/घरेलू चार्जिंग समाधान पेश किए और फिर सबसे तेज ईवी अपनाने वाले शहरों में सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की शुरूआत की। इससे शुरूआती उपयोगकताओं को ईवी अपनाने में आवश्यक समर्थन और प्रोत्साहन मिला।अगले चरण में TATA.ev ने 2023 में ओपन कोलैबोरेशन फ्रेमवर्क लॉन्च किया। इसके तहत चार्ज पॉइंट ऑपरेटर्स (सीपीओ) और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) के साथ रणनीतिक साझेदारी की गई। इस पहल का उद्देश्य मुख्यतः राजमार्गों के किनारे चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना था, ताकि लंबी दूरी की यात्रा सुगम हो सके। इस प्रयास का परिणाम यह रहा कि मात्र 15 महीनों में भारत में सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट्स की संख्या दोगुनी होकर 18,000 से अधिक चार्जर्स तक पहुंच गई। TATA.ev के कुल प्रभाव की बात करें तो अब तक 1.5 लाख से अधिक निजी/घरेलू चार्जर्स, 2,500 सामुदायिक चार्जर्स, और 750 चार्जर्स टाटा डीलरशिप्स में स्थापित हो चुके हैं, जो 200 से अधिक शहरों को कवर कर रहे हैं

इसी दिशा में, ओपन कोलैबोरेशन 2.0 के तहत, TATA.ev भारत के ईवी चार्जिंग इकोसिस्टम को तेजी से विकसित कर रहा है। इस पहल का लक्ष्य है- अगले दो वर्षों में चार्जिंग पॉइंट्स की संख्या दोगुनी कर 4 लाख से अधिक तक पहुंचाना।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए TATA.ev प्रमुख चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटर्स (सीपीओ) के साथ मिलकर 30,000 नए सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट्स स्थापित करेगा।

ये चार्जिंग स्टेशन सभी ईवी ब्रांड्स के लिए उपलब्ध होंगे, जिससे सभी उपयोगकताओं, चार्ज पॉइंट ऑपरेटर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग करने वालों के लिए एक व्यापक और सुविधाजनक नेटवर्क तैयार हो सकेगा। इस विस्तृत नेटवर्क में सार्वजनिक, सामुदायिक और निजी/घरेलू चार्जर्स शामिल होंगे, जो शून्य उत्सर्जन वाली मोबिलिटी की बढ़ती मांग को पूरा करेंगे। भारत को हरित और टिकाऊ भविष्य की ओर तेजी से ले जाएंगे।

ओपन कोलैबोरेशन 2.0 के लॉन्च पर बोलते हुए टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, ळअळअ।.५ भारत की ईवी क्रांति में न केवल विश्वस्तरीय इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने में बल्कि पूरे देश में मजबूत चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाकर देने में भी सबसे आगे रहा है। भारत में ईवी के अभूतपूर्व विकास को अनलॉक करने के लिए हमने ओपन कोलैबोरेशन 2.0 लॉन्च किया है, जिसका लक्ष्य अगले दो वर्षों में चार्जिंग नेटवर्क को प्रमुख सीपीओ के साथ साझेदारी में 4 लाख से अधिक पॉइंट्स तक विस्तारित करना है। यह पहल चार्जिंग की गति, विश्वसनीयता और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाएगी, साथ ही सीपीओ की आर्थिक व्यवहारिकता को बढ़ावा देगी। यह उनके विकास में सहायक होगी। चार्जिंग अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए हम साझेदारी के माध्यम से प्रमुख शहरों और राजमार्गों पर ळअळअ।.५ मेगा चार्जर्स लगाने की पेशकश कर रहे हैं। साथ ही ळअळअ।.५ वेरिफाइड चार्जर्स भी ला रहे हैं, जो चार्जर की क्वालिटी सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा एकीकृत चार्जिंग हेल्पलाइन और सहज भुगतान समाधान शुरू किए जा रहे हैं, जिससे ग्राहक की चिंताओं का समाधान किया जा सके और ईवी को अपनाने के बढ़ते ट्रेंड के साथ चार्जिंग इकोसिस्टम को अधिक सुलभ और विश्वसनीय बनाया जा सके।

रंग रंगीली एकादशी पर श्याम बगीची से निकाली निशान यात्रा

251 श्यामप्रेमी हाथों में निशान लेकर बाबा श्याम को कराया नगर भ्रमण

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम से फाल्गुन मास की रंग रंगीली एकादशी के उपलक्ष्य में विशाल निशान शोभायात्रा निकाली गई। साथ में बाबा श्याम को नगर भ्रमण करवाया गया।

श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग ने बताया कि फाल्गुन मास के उपलक्ष्य में बगीची परिसर से विशाल निशान शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल सभी श्यामप्रेमी बाबा श्याम के रथ साथ हाथों में बाबा का निशान लेकर चले। शोभायात्रा बगीची से आरंभ होकर अनाज मंडी, शिव चौक, सूरतगढि?ा बाजार, घंटाघर चौक, चांदनी चौक बाजार, भादरा बाजार, गोल डिग्गी, परशुराम चौक, हिसारिया बाजार, भगत सिंह चौक, रोड़ी बाजार, सुभाष चौक, स. जगदेव सिंह चौक से जनता भवन रोड होते हुए बगीची परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में 251 श्यामप्रेमी महिला एवं पुरुष हाथों में बाबा श्याम का निशान लेकर शामिल हुए। श्यामप्रेमी बाबा के भजनों पर श्याम मस्ती में झूमते हुए एक दूसरे को रंग गुलाल लगाते हुए चल रहे थे। उन्होंने बताया कि शाम को बगीची परिसर में श्याम के रंग बाबा श्याम के संग कार्यक्रम के तहत बाबा श्याम का विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमें भजन गायक राजपाल स्वामी व प्रवीण शर्मा भजनों के माध्यम से बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। उन्होंने बताया कि भजन संध्या के दौरान फूलों से होली खेली जाएगी। उन्होंने बताया कि 14 मार्च को होली के पावन पर्व के एपलक्ष्य में बगीची परिसर में सुबह आठ बजे से प्रभु इच्छा तक बाबा श्याम के साथ फूलों व रंग गुलाल से होली खेली जाएगी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खाने पीने की स्टालें भी लगाई जाएगी।

रंग-गुलाल और पिचकारियों से सजे बाजार

हर्बल कलर की बढ़ी डिमांड, बच्चों को खूब भा रही प्रेशर वाली पिचकारी, पटाखें रंग भी बिक रहे खूब

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। भाईचारे का त्यौहार होली के नजदीक आते ही बाजार रंग गुलाल व पिचकारियों से सज गए है। बाजारों में ग्रामीण व शहरवासी खरीददारी में जुट गए है। इस बार खासतौर पर हर्बल गुलाल, गिफ्ट हैम्पर्स और नए ट्रेंडिंग रंगों की बिक्री जोरों पर है। हर कोई नए तरह के रंगों और गुलाल को लेकर उत्साहित है। हर्बल गुलाल की मांग होने से साथ स्मॉग शॉट लोगों को काफी पसंद आ रही है। बाजार में भूरा, पीला, गुलाबी, आसमानी और डार्क ब्लू जैसे अनोखे रंग पहली बार नजर आ रहे हैं, जिनकी काफी मांग बढ़ रही है। साथ ही बैक्टीरिया-फ्री और हर्बल गुलाल भी लोग खूब पसंद कर रहे हैं। बाजारों में सबसे ज्यादा हर्बल गुलाल की मांग है। ग्राहक सबसे ज्यादा हर्बल गुलाल ही खरीद रहे हैं। इन गुलालों को खासतौर पर त्वचा के लिए सुरक्षित बनाया गया है, जिससे यह ज्यादा पसंद किया जा रहा हैं। बाजारों में लोग रंग और गुलाल नहीं खरीद रहे, बल्कि टोपी, गुलाल, स्मॉग शॉट और अन्य होली उत्पाद वाले तोहफों की खरीददारी कर रहे हैं जिनकी कीमत 300 रुपये से शुरू होती है। इन पैक्स में टोपी, गुलाल, स्मॉग शॉट और अन्य हाला प्रोडक्ट्स शामिल है। दुकानदारों का कहना है कि स्मॉग शॉट यानी रंगीन धुआं छोड? वाले प्रोडक्ट युवा सबसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस बार हर्बल गुलाल की मांग पिछले साल के मुकाबले लगभग 70 प्रतिशत बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि हर साल होली पर बिक्री अच्छी होती है। इसकी वजह नए उत्पाद और सोशल मीडिया का चलन हैं। लोग अब सिर्फ खेलना नहीं, बल्कि अच्छा दिखना और बेहतरीन फोटो-वीडियो भी लेना चाहते हैं। वहीं बाजारों में बच्चे अपने अभिभावकों के साथ बाजारों में रंग, गुलाल, अबीर, गुब्बारे व रंग बिरंगी पिचकारियां खरीदने में व्यस्त दिखे।

अमृतसर: जेल वार्डन से 650 नशीली गोलियां और पाउडर बरामद, मामला दर्ज

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

अमृतसर। कमिश्नरेट पुलिस और जेल विभाग अमृतसर की संयुक्त कार्रवाई में जेल वार्डन के तौर पर ड्यूटी कर रहे एक कर्मचारी से 650 नशीली गोलियां, नशीला पाउडर और कुछ नगदी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ठऊढर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने जानकारी दी कि इस मामले में एक और दोषी की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी और जांच को गहराई से आगे बढ़ाया जा रहा है। अगर इसमें कोई और व्यक्ति शामिल पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जेल प्रशासन और पुलिस द्वारा इस साल अब तक अलग-अलग मामलों में करीब 350 बार जेल के अंदर से नशीले पदार्थ बरामद किए जा चुके हैं। इसके तहत NDPS एक्ट के तहत 8 मामले दर्ज किए गए और 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

डॉक्टर की लापरवाही से महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

कपूरथला। जालंधर रोड पर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान लापरवाही के चलते एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान रितु सूद के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर द्वारा गलत ऑपरेशन किए जाने के कारण महिला का खून लगातार बहता रहा, जिससे उसकी जान चली गई।

घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल के बाहर जालंधर-कपूरथला रोड पर प्रदर्शन किया और डॉक्टर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टर के खिलाफ पुलिस केस दर्ज करने की मांग उठाई।

सूचना मिलते ही पीसीआर टीम और सिटी थाने के एसएचओ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत कराने की कोशिश की। पुलिस ने अस्पताल स्टाफ से बात की और पीड़ित परिवार को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। दूसरे पक्ष से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन अस्पताल के डॉक्टरों से कोई बातचीत नहीं हो सकी। रिसेप्शन पर मौजूद स्टाफ भी नदारद था। बाद में एक स्टाफ मेंबर ने बताया कि आज अस्पताल में छुट्टी है और डॉक्टर शहर से बाहर हैं। काफी प्रयासों के बाद अस्पताल के मैनेजर से फोन पर बात हो सकी। उन्होंने कहा कि जल्द ही वे डॉक्टर का पक्ष मीडिया के सामने रखेंगे।

अब सवाल ये उठता है कि–क्या डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला की जान गई? परिजनों को इंसाफ मिलेगा या मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा? क्या प्रशासन इस मामले की गहराई से जांच करेगा?

फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

IIFA अवॉर्ड्स में बॉलीवुड का जलवा, करीना ने जोकर बनकर राज कपूर को दिया ट्रिब्यूट

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

जयपुर। जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JCC) में IIFA अवॉर्ड्स की भव्य सेरेमनी का आयोजन हुआ, जहां बॉलीवुड सितारों ने अपनी परफॉर्मेंस से समां बांध दिया। इस दौरान करीना कपूर खान ने राज कपूर को ट्रिब्यूट देते हुए 'जीना यहां, मरना यहां' गाने पर डांस कर सबका दिल जीत लिया।

संगीत की दुनिया में इनका रहा दबदबा

बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का अवॉर्ड फिल्म 'लापता लेडीज' के लिए राम संपत को दिया गया। वहीं, बेस्ट प्लेबैक सिंगर (मेल) का अवॉर्ड जुबिन नौटियाल ने 'आर्टिकल 370' के गाने 'दुआ' के लिए जीता, और बेस्ट प्लेबैक सिंगर (फीमेल) का खिताब श्रेया घोषाल के नाम रहा, जिन्हें 'भूल भुलैया 3' के गाने 'अमी जे तोमार 3.0' के लिए सम्मानित किया गया।

कार्तिक आर्यन ने किया धमाकेदार एंट्री

शो को होस्ट कर रहे करण जौहर और कार्तिक आर्यन ने भी अपनी मजेदार केमिस्ट्री से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कार्तिक ने 'भूल भुलैया 3' के किरदार 'रूह बाबा' के रूप में 20 फीट ऊंचे स्टैच्यू से स्टेज पर एंट्री लेकर सबको चौंका दिया।

राजस्थानी संस्कृति की झलक

IIFA की शुरूआत राजस्थान के 150 लोक कलाकारों द्वारा कथक, घूमर और गेर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति से हुई, जिसने वहां मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्टार्स ने ग्रीन कारपेट पर बिखेरा जलवा

इस इवेंट में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल हुए, जिनकी ग्रीन कारपेट पर एंट्री आकर्षण का केंद्र रही। शनिवार को हुए समारोह में वेब सीरीज और उनके एक्टर्स को बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया गया था।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर यातायात पुलिस सख्त

प्रभारी बोले, एक्सीडेंट किया तो अभिभावकों पर होगी एफआईआर, कहा, नाबालिग कर रहे यातायात नियमों की अवहेलना

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 10 मार्च। शहर में नाबालिग बच्चों के वाहन चलाने पर जिला यातायात पुलिस पूरी तरह से सख्त हो गई है। जिला यातायात पुलिस ने नाबालिग बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों पर भी एक्शन लेने का निर्णय लिया है और नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन का एक्सीडेंट किए जाने पर उनके अभिभावकों पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्णय लिया है। जिला यातायात पुलिस की इस सख्ती के पीछे जिला पुलिस अधीक्षक के वे निर्देश हैं जिसमें उन्होंने यातायात हादसों को रोकने के लिए नाबालिगों के खिलाफ पूरी सख्ती कर दी है। उल्लेखनीय है कि शहर में काफी संख्या में नाबालिगों द्वारा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों को चलाया जाता है और अधिकांशतः वे एक्सीडेंट भी कर देते हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर ट्रैफिक अभियान को सख्ती से चलाने के निर्देश दिए थे जिसमें उन्होंने नाबालिग वाहन चालकों से लेकर पुलिस-प्रेस तक के स्टिकर लगाकर चलने वालों पर भी सख्ती करने के आदेश जारी किए हैं।

नाबालिगों की स्थिति बेहद संवेदनशीलः शमशेर

जिला यातायात प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया कि यातायात की स्थिति काफी संवेदनशील है। स्थिति की गंभीरता को यूं समझा जा सकता है कि नाबालिगों को उनके अभिभावक ही दोपहिया वाहन थमा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल और कोचिंग पर जाने के लिए स्कूली विद्यार्थी स्कूटी, बाइक व कार तक चलाते हैं, जबकि कानून के अनुसार 18 साल की उम्र के बाद ही वाहन चलाने की इजाजत है।

इसके बावजूद 13 साल तक के बच्चों को भी तेजी से वाहन दौड़ाते देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकांश नाबालिग बच्चों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी नहीं है। न ही ये बच्चे दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाते हैं। स्कूल या कोचिंग के लिए जाते समय तो दोपहिया वाहन पर तीन से चार बच्चे तक चढ़ जाते हैं। ऐसी परिस्थिति में सबसे अधिक दुर्घटना होने की आशंका रहती है।

अभिभावक खुद करवाएं नियमों की पालनाः

जिला यातायात प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया कि सख्ती के लिहाज से अब यदि नाबालिग द्वारा कोई दुर्घटना की तो ऐसी स्थिति में पुलिस अभिभावकों पर भी केस दर्ज करेगी। इन विपरीत स्थितियों से बचने के लिए आवश्यक है कि स्वयं अभिभावक खुद ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए अपने बच्चों से भी पालन करवाएं।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होता है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

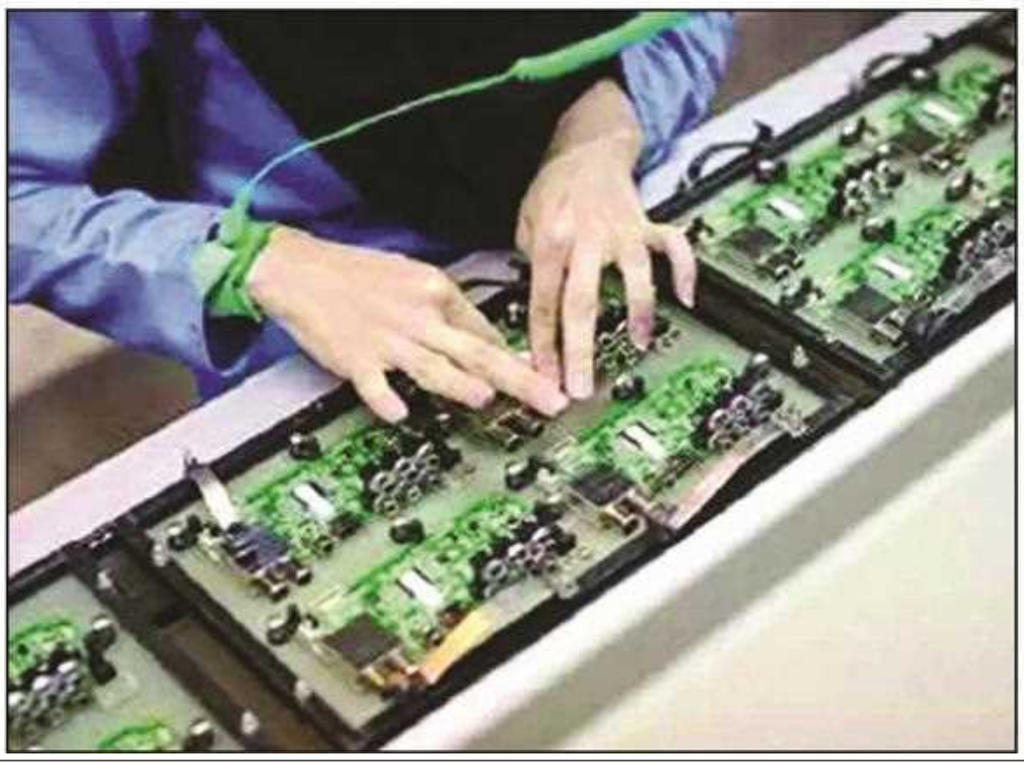

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।